RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 23 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 6 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

भानुप्रतापपुर में उपचुनाव की सरगर्मी तेज, कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ भाजपा ने बैठक कर रणनीति पर चर्चा की, वहीं आम आदमी पार्टी ने रविवार को भानुप्रतापपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हिमाचल प्रदेश से लौटने के बाद कांग्रेस की रणनीति तय होगी। माना जा रहा है भानुप्रतापपुर उपचुनाव में कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला रहेगा। आम आदमी पार्टी 2018 में जोर-शोर से उतरी थी, लेकिन दम दिखा नहीं पाई थी, पर वह उपचुनाव में जोर आजमाएगी।

मनोज मंडावी के निधन से रिक्त हुए भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट में जीत भाजपा और कांग्रेस के लिए अग्नि परीक्षा जैसी होगी। कांग्रेस इस सीट को हर हाल में बचाने में जुटेगी और राज्य में कांग्रेस के मजबूत होने का संकेत देगी, वहीं भाजपा 2023 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल मैच के नजरिये से लड़ेगी। भाजपा इस सीट को जीतकर 2023 में सत्ता का मजबूत दावेदार के तौर पर अपने को पेश करना चाहती है। कांग्रेस मनोज मंडावी की छवि को भुनाने के साथ सहानुभूति भी बटोरना चाहती है। इस कारण कांग्रेस स्वर्गीय मनोज मंडावी की पत्नी सावित्री मंडावी को प्रत्याशी बना सकती है।

श्रीलंका का बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया में गिरफ्तार, दुष्कर्म का लगा है आरोप

सिडनी (एजेंसी)। श्रीलंका शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दनुष्का गुणतिलका को सिडनी में दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। गुणतिलका टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल थे। श्रीलंकाई टीम शनिवार (पांच नवंबर) को इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच खेली थी। समाचार एजेंसी पीटीआई ने श्रीलंकाई टीम के सूत्रों के मुताबिक बताया कि गुणतिलका को सिडनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाकी खिलाड़ी उनके बिना ही श्रीलंका रवाना हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में टी20 वर्ल्ड कप के लिए श्रीलंकाई टीम के साथ यात्रा करने वाले गुणतिलका चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। हालांकि, आधिकारिक रूप से अशीन बंडारा से रिप्लेस होने के बावजूद वह टीम के साथ जुड़े हुए थे। गुणतिलका हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण टीम से बाहर हुए थे।

हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने किया 8 लाख नौकरियों का वादा

यूनिफॉर्म सिविल कोड भी, भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल में विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा व कांग्रेस ने वादों का पिटारा खोल दिया है। एक दिन पहले कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र जारी कर हिमाचल में पांच लाख नौकरियों का वादा किया तो भाजपा ने रविवार को अपना संकल्प पत्र जारी कर 8 लाख नौकरियां देने का भरोसा दिलाया। दोनों प्रमुख दलों के वादों के बाद अब चुनाव प्रचार और भी रोचक हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कुल 11 वादों का अपना संकल्प पत्र जारी किया है।

संकल्प पत्र जारी करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि गरीब परिवार की 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को अटल पेंशन योजना में शामिल करेंगे। उचित मूल्य की दुकानों से मवेशियों के चारे की खरीद और वितरण की आसान प्रणाली स्थापित की जाएगी। हिमकेयर कार्ड से कवर न होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए महिलाओं को स्त्री कार्ड दिए जाएंगे। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देंगे।

जेपी नड्डा ने कहा कि बीपीएल परिवार की बेटियों को शादी पर 51 हजार रुपए दिए जाएंगे। साथ ही स्कूली छात्राओं को साइकिल और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही बेटियों को स्कूटी देंगे। महिलाओं को होमस्टे बनाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण देंगे साथ ही स्वयं सहायता समूह की ऋण राशि बढ़ाई जाएगी। माता और नवजात की देखभाल के लिए महिलाओं के 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। देवी अन्नपूर्णा योजना के तहत गरीब महिलाओं को 3 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में यह है खास

इससे पहले शनिवार को कांग्रेस ने भी हिमाचल में अपना घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस ने हिमाचल के लोगों के लिए 10 गारंटी दी है। घोषणा पत्र के अनुसार पुरानी पेंशन बहाल करने के साथ ही युवाओं के लिए 5 लाख रोजगार का वादा किया है। इसके अलावा महिलाओं के लिए हर महीने 1500 रुपए, 300 यूनिट बिजली फ्री, बागवान तय करेंगे फलों की कीमत, युवाओं के लिए 680 करोड़ का स्टार्ट-अप फंड, हर विधानसभा में खुलेंगे 4 अंग्रेजी मीडियम स्कूल, मोबाइल क्लीनिक से हर गांव में होगा मुफ्त इलाज, पशुपालकों से हर दिन खरीदेंगे 10 लीटर दूध व 2 रुपये प्रति किलो गोबर खरीदी का वादा किया गया है।

भाजपा के संकल्प पत्र की खास बातें

- हिमाचल प्रदेश में समान नागरिक संहिता लाया जाएगा. इसके लिए एक्सपट्र्स की एक कमेटी बनाई जाएगी।
- 8 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।
- सभी गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा।
- बुनियादी ढांचे और परिवहन के विकास के लिए भाजपा शक्ति नामक कार्यक्रम शुरू करेगी।
- शहीद सैनिकों के परिजनों की सहायता राशि बढ़ाएंगे।
- 12वीं कक्षा में टॉप करने वाली छात्राओं को ग्रेजुएशन तक ढाई हजार रुपए हर महीने स्कॉलरशिप दी जाएगी।
- हिम स्टार्टअप योजना लेकर आएंगे, युवाओं के लिए 900 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप इकाई शुरू की जाएगी।
- सेब पैकेजिंग पर राज्य सरकार द्वारा 12 फीसदी अतिरिक्त जीएसटी का भुगतान किया जाएगा।
- प्रदेश में 5 नए मेडिकल कॉलेज-मोबाइल क्लीनिक वैन होंगे दोगुना।
- हर जिले में 2 गर्ल्स हॉस्टल बनाएंगे. जो बेटियां हायर एजुकेशन करना चाहेंगी, उन्हें इसमें मदद मिल सकेगी।
- वक्फसंपत्तियों का सर्वे किया जाएगा. अवैध उपयोग पर रोक लगेगी।

पुरातत्व विभाग की बड़ी लापरवाही स्थानीय मजदूरों से खुदवाई जा रही भोरमदेव मंदिर की नींव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थापित 11वीं शताब्दी की प्राचीन, ऐतिहासिक, पुरातात्तविक एवं जनआस्था से जुड़े स्थल भोरमदेव मंदिर की नींव को मजबूत करने के नाम पर पुरातत्व विभाग द्वारा बड़ी लापरवाही बरतते हुए स्थानीय मजदूरों से नींव खोदाई का काम करवाया जा रहा था। मामला मीडिया में आने के बाद आज रायपुर से पुरातत्व विभाग की टीम कवर्धा के ग्राम चौरा स्थित भोरमदेव मंदिर परिसर पहुँची। जहां फिर से टीम ने परिसर का कलेक्टर व पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से साथ निरीक्षण किया।

पुरातत्व विभाग की नींद खुलने के बाद अब मंदिर की मजबूती को बनाये रखने के लिए पुरातत्व विभाग की निगरानी में काम करवाने का दावा किया। पुरातत्व विभाग की टीम के सदस्यों ने बताया कि प्राचीन भोरमदेव मंदिर की नींव को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी रूप से कार्य किया जाएगा। इसके लिए चरणबद्ध कार्य किए जाएंगे। टीम ने पूर्व में प्रारंभ किए गए खुदाई कार्य का अवलोकन किया। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने संस्कृति एवं पुरात्तव विभाग के तकनीकि टीम और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक भी ली।

पुरात्तव विभाग के अधिकारियों ने भोरमदेव मंदिर परिसर में होने वाले प्रस्तावित कार्यों और कार्य योजना की विस्तृत जानकारी भी दी। कलेक्टर ने निरीक्षण के बाद बैठक में पुरात्तव एवं संस्कृति विभाग द्वार भोरमदेव मंदिर परिसर में होने वाले चरणबद्ध कार्यों की पूरी जानकारी ली। बैठक में पुरात्तव एवं संस्कृति विभाग के पुरातत्व वेत्ता प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि भोरमदेव मंदिर परिसर में छत्तीसगढ़ पुरात्तव एवं संस्कृति विभाग द्वारा भोरमदेव मंदिर के नींव सुदृढ़ीकरण का कार्य, रिनावेशन, मंदिर के छत से पानी के रिसाव को रोकने वाटर प्रूफिंग, केमिकल रिपेयरिंग का कार्य किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगाने का झांसा देकर 8 लाख की ठगी, पति-पत्नी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगाने का झांसा देकर 8 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। कांकेर थाने में दर्ज शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। दो साल पुराने मामले में शिकायत के बाद अब आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

कांकेर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डूमेश्वरी साहू ने साकेत नगर गोविंदपुर निवासी राजेश्वर निषाद और उसकी पत्नी लता निषाद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। प्रार्थिया ने बताया कि दंपती ने स्वास्थ्य विभाग में पहचान होने का दावा करते हुए नौकरी लगाने का दावा किया। इसके लिए दोनों ने 8 लाख रुपए ले लिए और कुछ ही महीनों में नौकरी का कॉल लेटर आने का दावा किया। इसके बाद लगातार इंतजार के बाद भी नौकरी का कोई अता पता नहीं था।

इसके बाद जब भी पूछते तो गुमराह कर रहे थे। रुपए वापस मांगने पर वापस नहीं दिया जा रहा था। कुछ दिनों बाद तो दोनों ने फोन भी उठाना बंद कर दिया। इसके बाद मामले की शिकायत के बाद जांच शुरू हुई। जांच के बाद आरोप सिद्ध होने पर पुलिस ने आरोपी आरोपी राजेश्वर निषाद उसकी पत्नी लता निषाद को गिरफ्तार कर लिया।

No Paid News

सिर्फ खबरें...

संपर्क करें...

- बात धर्म, समाज की हो या हो आपके गली - मोहल्ले की
- राजनीति से लेकर शहर के उत्सव की
- या फिर हर उन छोटी बड़ी खबरों की जिससे है आपका सरोकार...

किसी भी आयोजन के 24 घंटे पहले संपर्क करें...

कोमल धनेसर - 9406099290 | के. मोहन राव-9893092649 | सीमांत कश्यप-9098570302

दाक्षी साहू राव - 8839424788 | गौकरण निषाद (गणेश) - 9827406851

सोनू यादव-9827806026 | गोपाल मिश्रा-6266947003

भारत के साथ पाकिस्तान भी पहुंचा सेमीफाइनल में, चार टीमों के बीच होगी खिताब की जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल के लिए चारों टीमें तय हो गई हैं। रविवार को खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप-2 से भारत और पाकिस्तान ने क्वालिफाई किया है, जबकि ग्रुप-1 से न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमें सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अब टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए स्टेज पूरी तरह तैयार हो गया है।

पाकिस्तान ने रविवार को खेले गए मैच में बांग्लादेश पर 5 विकेट से जीत दर्ज की है। इसके साथ ही ग्रुप-1 से न्यूजीलैंड व इंग्लैंड तथा ग्रुप-2 से भारत व पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ग्रुप 2 में टॉप पर होने के कारण भारत का सेमीफाइनल मुकाबला एडिलेड में 10 नवंबर को इंग्लैंड से होगा। वहीं पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड से सिडनी में 9 नवंबर को भिडेगी। यह दोनों मैच भारतीय समयानुसार दोपहर डेढ़ बजे शुरू होंगे।

ग्रुप-2 से जिन दो टीमों का पहुंचना तय माना जा रहा था वो भारत और साउथ अफ्रीका की टीम थीं। दोनों ही शुरुआत से टॉप-2 में जगह बनाए हुए थीं, लेकिन अंत तक होते-होते खेल हो गया। रविवार को ही नीदरलैंड्स ने एक उलटफेर कर दिया और साउथ अफ्रीका को हराकर बाहर कर दिया। साउथ अफ्रीका एक वक्त पर ग्रुप में टॉप कर रहा था, लेकिन सेमीफाइनल करीब आते-आते वह रेस से ही बाहर हो गया।

सबसे ज्यादा रोजगार ही नहीं, स्वरोजगार भी यहीं है

श्रीकंचनपथ

यदि आपका बच्चा कुछ अलग करना चाहता है तो उसे रोकिये नहीं. उसे और उसके प्रयासों को समझने की कोशिश करें. जानकारों की मदद लें. सहयोग करें, मार्गदर्शन करें. क्या पता वह कोई एंटरटेनर, कोई गेमर या कोई कंटेन्ट क्रिएटर ही बन जाए. यह नया दौर है जहां सबकुछ धीरे-धीरे डिजिटल हो रहा है. एंटरटेनमेंट की तो एक अलग दुनिया ही यहां बसी हुई है. यह ग्लोबल प्लेटफार्म है जहां आपको अपनी फिल्म रिलीज करने के लिए किसी थिएटर की जरूरत नहीं. लिटरेचर को रीडर तक पहुंचाने के लिए किसी पब्लिशर की जरूरत नहीं. गेमिंग में तो कोई लिमिटेशन ही नहीं है. बहुत कम या शून्य निवेश से शुरू होने वाले ये काम, आपके हुनर को पंख लगा सकते हैं और आप 10 से 5 वाली उबाऊ नौकरी से मुक्त हो सकते हैं. रही बात कमाई की तो यहां आप 2-4 साल में उतना कमा सकते हैं जो एक आईएएस या आईपीएस अपनी पूरी जिन्दगी में कमाता है. नोएडा के एंटरटेनर पीयूष गुर्जर ने इसे साबित कर दिया है. वे जल्द ही वेब सीरीज में दिखेंगे. उन्होंने देखा कि भूत प्रेत का होना या न होना एक अलग मसला है पर यह सबको अपनी तरफ आकर्षित जरूर करता है. लोग काला-जादू के बारे में भी बहुत बातें करते हैं. अघोरियों के बारे में सच्ची झूठी कहानियां पढ़ते हैं. उन्होंने लोगों की इसी भूख को मसाला देने की ठानी. उसमें कॉमेडी का तड़का लगा दिया और हो गए सुपर-हिट. जल्द ही उनकी हॉरर-कॉमेडी वेब सीरीज आ रही है. जब उनका यह सफर शुरू हुआ तो घर वाले आशंकित थे. उन्हें तो केवल इतना ही पता था कि अच्छे-अच्छे कलाकार नोएडा से लेकर दिल्ली तक की गलियों में धक्के खा रहे हैं. कुछ ही लोगों को सफलता मिलती है. ऐसा तो सीए, सीएमए, यूपीएससी की तैयारी करने वालों के साथ भी है. तो क्या लोग प्रयत्न करना छोड़ दें. यहां कम से कम इतना तो है कि नौकरी न मिलने पर अपना काम शुरू किया जा सकता है. तो फिर देर किस बात की? वैसे छत्तीसगढ़ की ही बात करें तो यहां स्थानीय भाषा छत्तीसगढ़ी में फिल्म बनाने वालों की अच्छी खासी संख्या है. उन्होंने कई बार सरकार से संरक्षण और पैकेज की मांग की है. वे मल्टीप्लेक्स में अपनी फिल्मों को रिलीज करना चाहते हैं पर कोई तैयार ही नहीं होता. उनका कहना है कि छत्तीसगढ़िया फिल्में केवल छत्तीसगढ़ियों को ही समझ में आती है. इनकी संख्या इतनी नहीं कि बड़ा रिस्क लिया जाए. पर उसी छत्तीसगढ़ी में बनने वाले वीडियोज, मीम्स, रील्स और शार्ट फिल्म लोगों को हजारों रुपए कमा कर दे रहे हैं. स्व-रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार कई उपाय कर रही है. थोड़ा समर्थन शहरी स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए देना गलत नहीं होगा. दो चार स्टूडियो, साउंड प्रूफरिकार्डिंग रूम और कुछ गैजेट्स की हो तो बात है. बाकी का काम हुनर पर छोड़ दें.

संपादकीय

मोरबी पुल टूटने की सजा किसे?

गुजरात के मोरबी में जो पुल टूटा है, उसमें लगभग पौने दौ सौ लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। मृतकों के परिजनों को केंद्र और गुजरात की सरकारें 6-6 लाख रु. का मुआवजा दे रही हैं और घायलों को 50-50 हजार का लेकिन यहां मूल प्रश्न यह है कि क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ इतनी ही है? जो लोग मरे हैं, उनके परिजन 6 लाख रु. के ब्याज से अपना घर कैसे चलाएंगे? कई परिवार बिल्कुल अनाथ हो गए हैं। सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चों की मौत हुई है। कोई आश्चर्य नहीं कि उस पुल के हादसे में मृतकों की संख्या अभी और बढ़ जाए। लगभग 200 साल पुराने इस पुल की हालत काफी खस्ता थी। कई बार उस पर टूट-फूट हो चुकी है। गुजरात सरकार ने इस पुल के संचालन का ठेका एक गुजराती कंपनी को दिया था। पुल पर आने वाले हर यात्री को वह 17 रुपए का टिकट बेचती थी। लगभग 100 लोगों के एक साथ पुल पर जाने की सुविधा थी लेकिन उस दिन कंपनी ने लालच में फंसकर लगभग 500 टिकट बेच दिए। पिछले सात महिने से उसकी मरम्मत का काम जारी था। अब छठ पूजा के नाम पर 26 अक्तूबर को यह पुल यात्रियों के लिए खोल दिया गया। पिछले चार-पांच दिनों में सैकड़ों लोग उस पुल पर जमा होते रहे लेकिन कल शाम वह अचानक बीच में से टूट गया। सैकड़ों लोग इसलिए मौत के घाट उतर गए और घायल हो गए कि ऐसी दुर्घटना की संभावना के विरुद्ध कोई सावधानी नहीं बरती गई। यह सावधानी किसे रखनी चाहिए थी? गुजरात सरकार को लेकिन गुजरात के अधिकारियों का कहना है कि उस पुल को खोलने की अनुमति उन्होंने नहीं दी थी। ठेकेदार ने अपनी मर्जी से ही पुल खोल दिया था। यदि ठेकेदार ने पुल खोल दिया तो स्थानीय अधिकारी क्या ऊंघ रहे थे? उन्होंने क्यों नहीं जांच की? क्यों नहीं प्रमाण-पत्र मांगा? क्यों नहीं ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की? जाहिर है कि सरकार और ठेकेदार दोनों ही इस सामूहिक हत्याकांड के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। यह ठीक है कि कल शाम से गुजरात के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार ने भी यात्रियों को बचाने में जमीन-आसमान एक कर रखा है लेकिन इस दुर्घटना ने गुजरात सरकार के मस्तक पर काला टीका लगा दिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के विभिन्न समारोहों में तरह-तरह के भाषण देते फिर रहे हैं लेकिन उनकी कौन सुन रहा है। टीवी दर्शक भी उनके भाषणों के बजाय मोरबी-दुर्घटना के बारे में ज्यादा देखना, सुनना और पढ़ना चाह रहे हैं। उनके इन भाषणों से भी ज्यादा उनका वह भाषण इंटरनेट पर करोड़ों लोग सुन रहे हैं, जो उन्होंने पश्चिमी बंगाल में हुए चुनाव के पहले दिया था। उस समय बंगाल में भी एक पुल टूटा था। उस समय मोदी ने कहा था कि यह दुर्घटना 'गाड' की नहीं, ममता सरकार के 'फ्राड' की है। तुकबंदी के शौकीन मोदी पर यह जुमला काफी भारी पड़ रहा है। यह असंभव नहीं कि उनके इस भाषण का उपयोग या दुरूपयोग अब 'आप पार्टी' गुजरात के आसन्न चुनाव में जमकर करेगी। पक्ष और विपक्ष के नेता मृतकों के प्रति जितनी औष्ठिक सहानुभूति बता रहे हैं, उससे ज्यादा वे एक-दूसरे पर प्रहार करने में जुटे हुए हैं। जो हुआ, सो हुआ लेकिन पुल की संचालक उस कंपनी को न केवल विसर्जित किया जाना चाहिए बल्कि उसके मालिक और दोषी प्रबंधकों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और उसकी सारी संपत्ति छीनकर हताहतों के परिजनों में बांट दी जानी चाहिए। जो स्थानीय सरकारी अधिकारी उपेक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें भी तत्काल नौकरी से मुक्त किया जाना चाहिए।

> गुजरात सरकार को लेकिन गुजरात के अधिकारियों का कहना है कि उस पुल को खोलने की अनुमति उन्होंने नहीं दी थी। ठेकेदार ने अपनी मर्जी से ही पुल खोल दिया था। यदि ठेकेदार ने पुल खोल दिया तो स्थानीय अधिकारी क्या ऊंघ रहे थे? उन्होंने क्यों नहीं जांच की? क्यों नहीं प्रमाण-पत्र मांगा? क्यों नहीं ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की? जाहिर है कि सरकार और ठेकेदार दोनों ही इस सामूहिक हत्याकांड के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं।

टीबी बना नया खतरा

कोविड-19 महामारी के कारण टीबी का इलाज और निदान बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ। उसका बहुत खराब असर हुआ है। असर यह हुआ कि सालों से लगातार घट रहे टीबी के मामलों में वृद्धि देखी गई है। ये खबर अपने-आप में बेहद चिंताजनक है कि 20 साल में पहली बार टीबी के मामले बढ़े हैं। हमारे लिए ये बात इसलिए और भी ज्यादा परेशानी का कारण है कि जहां टीबी के मामले सबसे ज्यादा बढ़े, उनमें भारत से सबसे ऊपर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के कारण टीबी का इलाज और निदान बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ। उसका बहुत खराब असर हुआ है। असर यह हुआ कि सालों से लगातार घट रहे टीबी के मामलों में वृद्धि देखी गई। दुनिया के सिर्फ आठ देशों में टीबी के दो तिहाई से ज्यादा मामले पाए गए हैं। ये देश है: भारत, इंडोनेशिया, चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान, नाइजीरिया, बांग्लादेश और डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो। 2005 से 2019 के बीच टीबी के कारण होने वाली मौतों की संख्या में कमी देखी गई थी, लेकिन 2020-21 में यह ट्रेंड पलट गया। दुनिया में जिन चार देशों में टीबी से सर्वाधिक मौतें हुईं, उनमें भी भारत पहले नंबर पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस रिपोर्ट से भारत सरकार को चौकस हो जाना चाहिए। टीबी पर नियंत्रण बड़ी मेहनत से पाई गई थी। अब ऐसा लगता है कि वैसा ही परिश्रम फिर से करना होगा। इसके लिए सबसे पहली जरूरत यह है कि पर्याप्त धन का आवंटन सरकार करे और उसके बाद अपनी और निजी क्षेत्र की एजसिंयों को समन्वित कर जोरदार अभियान चलाए। कोरोना महामारी ने हमें सिखाया है कि एकजुटता, प्रतिबद्धता और उपलब्ध उपायों का बराबर बंटवारा करते हुए ही हम स्वास्थ्य संबंधी खतरों से पार पा सकते हैं।

मोदी के नाम पर हिमाचल में वोट!

भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को नहीं बदला और उनके नाम पर ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर जिस तरह के विवाद हुए और उसके बाद पार्टी के जितने बागी उम्मीदवार मैदान में डटे रहे उसे देखते हुए भाजपा को लगा कि जयराम ठाकुर के नाम और काम पर चुनाव जीतना मुश्किल है। इसलिए पार्टी की रणनीति बदल गई है। अब मुख्यमंत्री और प्रदेश के नेताओं सहित तमाम केंद्रीय नेता भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और उनके काम पर वोट मांग रहे हैं। शायद ही कहीं देखने को मिल रहा है कि राज्य सरकार के पांच साल के कामकाज का जिक्र हो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हों या राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हों, सब मोदी का नाम भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। अमित शाह ने यह नैरेटिव बनाया है कि भले गुजरात नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि है, लेकिन उनकी कर्मभूमि हिमाचल प्रदेश है। सो, मोदी की कर्मभूमि के नाम पर हिमाचल के लोगों से भाजपा को वोट देने के लिए कहा जा रहा है। इसी तरह यह भी कहा जा रहा है कि लोग भाजपा को वोट देकर डबल इंजन की सरकार बनाएं तो नरेंद्र मोदी राज्य का विकास करेंगे। नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व पर भी वोट मांगा जा रहा है। इसके लिए भाजपा के सारे नेता जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्ज खत्म करने या अनुच्छेद 370 समाप्त करने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का जिक्र कर रहे हैं। हालांकि अयोध्या में राम मंदिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बन रहा है लेकिन भाजपा इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दे रही है। सो, चेहरा भले जयराम ठाकुर का दिखाया गया हो पर वोट मोदी के नाम पर मांगा जा रहा है।

> केजरीवाल के प्रशंसक कहते हैं कि दिल्ली और पंजाब की भांति गुजरात में भी कांग्रेस का वोट आप को 'ट्रांसफर' होगा। अगर ऐसा हो जाता है, तो आम आदमी पार्टी की तीन राज्यों में सरकार होगी और 2024 के चुनावों का विमर्श गढ़ने में उसकी प्रमुख भूमिका होगी। इसके विपरीत कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त चुनावी चर्चा अवश्य हासिल कर ली है।

गुजरात जो तय करेगा

शशि शेखर

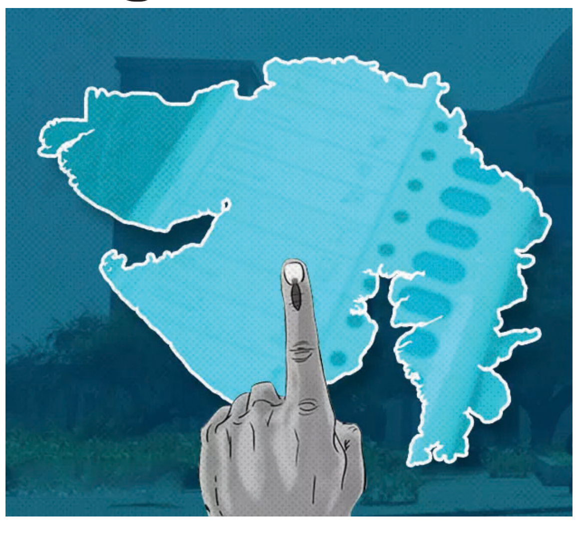

अगली आठ दिसंबर को गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनावों के नतीजे हिन्दुस्तान की भावी राजनीति की दशा-दिशा के लिए महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। गुजरात पहले भी दो बार देश की राजनीति पर असर डाल चुका है।

अपनी बात समझाने के लिए मुझे आपको पचास साल पीछे ले जाना होगा। कांग्रेस ने 1972 का विधानसभा चुनाव जबरदस्त बहुमत के साथ जीता था। उसे 168 में से 140 सीटें हासिल हुई थीं। इस जनादेश के जिन्न पर सवार कांग्रेस ने सवा साल बाद ही अपना मुख्यमंत्री बदल दिया था। चिमन भाई पटेल गांधी नगर के सत्ता-सदन में जा विराजे थे, पर साल बीतते-न बीतते खाद्यान्न, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि के खिलाफअसंतोष पनपने लगा। छात्रों ने इसकी अगुवाई की। पुलिस-प्रशासन ने इसके जवाब में वही किया, जो उसे अंग्रेज विरासत में दे गए थे- बल प्रयोग। इसके बावजूद हालात हाथ से फिसलते चले गए। लगे हाथ विपक्षी दल भी असंतोष के इस अलाव में अपनी रोटियां सेंकने लगे। हालात इस कदर बिगड़ गए कि इंदिरा गांधी को अपनी ही पार्टी की सरकार भंग करवानी पड़ गई थी।

गुजरात के सफल छात्र आंदोलन से प्रेरित हो मार्च, 1974 में बिहार के छात्रों ने भी आंदोलन शुरू किया। पहले गुजरात और अब बिहार में नौजवानों का जज्बा देख राजनीति से रिटायर हो चुके जयप्रकाश नारायण अपनी तंद्रा छोड़ मैदान में उतर पड़े थे। उन्होंने इसी दौरान 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। वह मानते थे कि इंदिरा गांधी की 'तानाशाह प्रवृत्ति' से निपटने का अकेला तरीका यही है। आज के नीतीश कुमार, लालू यादव, रविशंकर प्रसाद, सुशील मोदी जैसे स्थापित नाम उसी दौर में चर्चा में आए। वे आज तक प्रदेश या देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बिहार से शुरू हुआ यह आंदोलन देखते-देखते बड़े भूभाग में फैल चुका था। इसी बीच इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया। घबराई इंदिरा गांधी ने इन हालात से निपटने के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया। पौने दो बरस बाद, 1977 में उन्होंने आपातकाल हटाकर चुनाव की घोषणा की, पर परिणाम इंदिरा के पक्ष में नहीं आए। नतीजतन, पहली बार नई दिल्ली की सत्ता पर कोई गैर-कांग्रेसी सरकार विराज सकी। गुजरात से भभकी असंतोष की ज्वाला की यह तार्किक परिणति थी। तब से अब तक आठ गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री शपथ ले चुके हैं। इनमें से नरेंद्र मोदी अकेले ऐसे हैं, जिन्होंने दो लोकसभा चुनाव लगातार बहुमत के साथ जीते हैं।

इस परिघटना के बरसों बाद मोदी से ही गुजरात से उपजे दूसरे परिवर्तन की शुरुआत हुई।

आपको 26 जनवरी, 2001 को कच्छ में आया भयानक जलजला याद होगा। उस समय गुजरात में भारतीय जनता पार्टी के केशूभाई पटेल मुख्यमंत्री हुआ करते थे। पटेल इस आपदा से निपटने में असफल साबित हो रहे थे। पनपते जनरोष को थामने के लिए भाजपा आलाकमान ने नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री की कुरसी पर बैठा दिया। तब तक मोदी के पास सरकार चलाना तो दूर, किसी सरकार में शामिल होने का भी अनुभव न था। वह संगठनकर्ता बहुत अच्छे थे, पर प्रशासक कैसे होंगे, इसको लेकर तमाम आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। एक साल के अंदर उन्होंने जिस तरह भुज का कायाकल्प किया, उससे उनके आलोचक भी हक्का-बक्का रह गए। यहीं से 'ब्रांड मोदी' के पुख्ता होने की शुरुआत हुई, जिसकी चमक आज तक कायम है। वह लगातार तीन बार गुजरात विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीतकर सियासत की नई परिभाषा गढ़ने में कामयाब रहे हैं।

अब गुजरात से उपजने वाली तीसरी परिवर्तनकारी संभावना की चर्चा।

यह चुनाव कई मायनों में अलग हैं। 2017 तक वहां कांग्रेस और भाजपा गुत्थमगुत्था होती थीं, मगर पहली बार आम आदमी पार्टी तीसरी शक्ति के तौर पर ताल ठोक रही है। तीन बार दिल्ली जीतने के बाद अरविंद केजरीवाल पंजाब में अकल्पनीय बहुमत लाकर अपना दम-खम साबित कर चुके हैं। पिछले दिनों उनकी पार्टी ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में दो नगर निकायों में 28 सीट जीतकर सियासी आकलनकर्ताओं को अचरज में डाल दिया था। चुनाव आयोग ने जैसे ही चुनावी तारीखों का एलान किया, केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा- गुजरात की जनता इस बार बड़े बदलाव के लिए तैयार है। हम जरूर जीतेंगे। यह आत्मविश्वास है या जरूरत के मुताबिक चला गया चुनावी दांव?

केजरीवाल के प्रशंसक कहते हैं कि दिल्ली और पंजाब की भांति गुजरात में भी कांग्रेस का वोट आप को 'ट्रांसफर' होगा। अगर ऐसा हो जाता है, तो आम आदमी पार्टी की तीन राज्यों में सरकार होगी और 2024 के चुनावों का विमर्श गढ़ने में उसकी प्रमुख भूमिका होगी। इसके विपरीत कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त चुनावी चर्चा अवश्य हासिल कर ली है, पर बहुत जल्दी प्रचार के शीर्ष पर पहुंच जाना कभी-कदा खतरनाक साबित होता है। पिछली बार कांग्रेस ने अपना 'टेंपो' जरूरत से पहले इतना 'हाई' कर लिया था कि अंत तक उसका निर्वाह नहीं किया जा सका। उत्तर प्रदेश चुनावों में सपा और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने यही गलती की थी।

यही वजह है कि कांग्रेस नितांत नई रणनीति पर काम कर रही है। राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भूमि नाप रहे हैं, पर गुजरात को जान-बूझकर उनके 'रूट' से अलग रखा गया है। पार्टी के अन्य नेता और नेहरू-गांधी परिवार के बाकी दो सदस्य अभी तक प्रचार से दूर हैं। उनके स्थान पर कांग्रेस की गुजरात इकाई के नेतृत्व को छोटी-छोटी यात्राओं के जरिये पांच करोड़ मतदाताओं से सीधा संवाद बनाने को कहा गया है। आदिवासी नेता छोटू बसावा, जो कुछ दिनों पहले तक आम आदमी पार्टी को गलबहियां डाले हुए थे, अब कांग्रेस की ओर आकर्षित दीख रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी को उम्मीद है कि शहरी क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी भाजपा के वोट काटेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में हम अपने मतदाताओं को एकजुट रखने में कामयाब हो सकेंगे। कांग्रेस सीधे मोदी और उनके राष्ट्रवाद पर प्रहार करने के बजाय भाजपा को स्थानीय मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है।

मौजूदा देशव्यापी दुर्दशा से उबरने के लिए कांग्रेस को जीत नहीं, तो जीत के करीब तक पहुंचना जरूरी है। वह हिमाचल से भी भली उम्मीद पाले बैठी है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी 'मोदी नाम केवल' के मंत्र पर चल रही है। यह रणनीति 2017 में भी कारगर रही थी। तब मतदाता पत्रकारों से अक्सर कहते पाए जाते थे कि हम भाजपा से नाराज जरूर हैं, पर गद्दार नहीं। यही वजह है कि जब ईवीएम की सील टूटी, तो भाजपा के पक्ष में 49.44 फीसदी, तो कांग्रेस के समर्थन में लगभग 43 फीसदी वोट सामने आए। उत्साहित भगवा दल ने इसीलिए अपने कार्यकर्ताओं के समक्ष 150+ सीट जीतने का लक्ष्य रखा है।

निस्संदेह, सभी दल बढ़-चढ़कर लोकतंत्र के इस महाकुंभ में हिस्सेदारी निभा रहे हैं और अब आठ दिसंबर का इंतजार है। उस दिन सिर्फहार-जीत नहीं, देश की भावी राजनीति की दशा-दिशा का भी संकेत मिलेगा। तब तक क्यों न चुनावी चौसर का आनंद उठाया जाए?

संगीत, नृत्य की कोई भाषा नहीं होती

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव कल की ढलती हुई शाम के साथ ही समाप्त हो चुका है। इस वर्ष जिन 10 देशों के लोक नर्तक दल इस राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में अपने नृत्य की छटा बिखेरने आए थे उनमें मोजांबिक, टोगो, इजिप्ट, मंगोलिया, इंडोनेशिया, रूस, न्यूजीलैंड, सर्बिया और मालदीव जैसे देश प्रमुख हैं।

दुनिया के इन 10 देशों से आए हुए लोक नर्तकों ने छत्तीसगढ़ की जनता को अपने लोक नृत्यों से अभिभूत कर दिया। लेकिन यह एकतरफा ही नहीं हुआ वे भी छत्तीसगढ़वासियों से कम अभिभूत होकर नहीं गए हैं और इसमें भाषा किसी तरह की दीवार या बाधा साबित नहीं हुई। क्योंकि नृत्य, संगीत की कोई भाषा नहीं होती इसे केवल महसूस किया जाता है।

भारत वर्ष एक विशाल और विविधताओं से भरा देश है। यहां हर प्रदेश की अपनी एक अलग लोक संस्कृति है। इन्हीं लोक संस्कृति से एक महान भारतीय संस्कृति बनती है। इस बार राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव में देश के 28 राज्यों के लोक नर्तकों ने अपनी लोक नृत्यों के प्रदर्शन से साइंस कॉलेज मैदान में जो खुशबू बिखेरी है और जो जादू जगाया है उस खुशबू और जादू को हम छत्तीसगढ़वासी बहुत दिनों तक अपने दिलों में महसूस करते रहेंगे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के समापन की बेला में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो कहा है वह भी अपने आप में कोई कम महत्वपूर्ण नहीं है। आदिम संस्कृति सभी को जोड़ने का कार्य करती है। इसे सहेजकर और इसकी खूबसूरती को बड़े फलक पर दिखाने के उद्देश्य से हमने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया है। मुझे इस बात कि खुशी है कि इस आयोजन में बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी की है। आगे मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि इस आयोजन के माध्यम से लोगों ने जाना है कि हमारी आदिवासी संस्कृति कितनी समृद्ध हैं। इनके नृत्यों के माध्यम से प्रकृति और लोकजीवन को सहेजने के सुंदर मूल्य जो सीखने को मिलते हैं वो सीख हमारे लिए अमूल्य है। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जो कहा है वह भी बेहद महत्वपूर्ण है। आदिवासी नृत्य महोत्सव के जरिए यह संदेश देने का भी सफल प्रयास किया गया है कि जब तक सभी वर्गों का विकास नहीं होता तब तक देश का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता।

आज ये सभी नर्तक दल अपने-अपने देशों की ओर उड़ चले हैं। भारत के विभिन्न प्रांतों से आए हुए आदिवासी नर्तक दल भी अपने-अपने प्रदेशों की ओर लौट रहे हैं। ये सारे आदिवासी नर्तक दल अपने नृत्य की सोंधी खुशबू हम सब छत्तीसगढ़वासियों के दिलों में छोड़ गए हैं जो आने वाले कई दिनों तक हमारे भीतर महकते रहेंगे।

सामाजिक उपेक्षा से वैश्विक सम्मान तक की यात्रा

बिनोद शाही, शिक्षक व सामाजिक कार्यकर्ता

राजनेताओं को आपने अक्सर यह दावा करते सुना होगा कि चार-पांच साल में ही उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र, प्रदेश-देश का कायाकल्प कर दिया, लेकिन उनके दावों की कलई चंद घंटों में खुल जाती है। ऐसे में, किसी दशरथ मांझी, किसी बिनोद शाही के संघर्ष को जब इनके बरक्स रखकर हम देखते हैं, तो बड़े-बड़े नेता बौने दिखने लगते हैं। दशरथ मांझी के उदात्त प्रेम और पथ-प्रदर्शक कर्म से तो आप सब वाकिफहोंगे, आज कहानी नेपाल के एक युवा शिक्षक बिनोद शाही की, जिनके कार्यों की अहमियम को यूनेस्को तक ने रेखांकित किया और सराहा।

आज से 39 साल पहले काठमांडू के भूइखेल में एक अत्यंत साधारण परिवार में बिनोद पैदा हुए। जिस खड्गी (कसाई) जाति से वह आते हैं, नेपाल की संकीर्ण सामाजिक-व्यवस्था में उसे आज भी अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता। तीन दशक पहले तो हालात काफी बुरे थे। इकलौता बेटा होने के कारण माता-पिता की बड़ी हसरत थी कि बिनोद अच्छी शिक्षा हासिल करें, ताकि कसाई के पेशे में न उतरना पड़े। उनके समुदाय के प्रति लोगों की हिकारत भरी टिप्पणियां भीतर तक बेध देती थीं और उन्हें यह गवारा न था कि बिनोद को यह सब सुनना पड़े। जैसे-जैसे बिनोद बड़े हुए, स्कूली शिक्षा से अर्जित ज्ञान और सामाजिक उपेक्षा के गहरे दंश ने उन्हें ऐसे लोगों की मदद के लिए प्रेरित किया, जो भेदभाव के बड़े शिकार थे। दूसरों की मदद करने का संस्कार उन्हें बचपन से मिला था, क्योंकि उनके माता-पिता लोगों के दुख-सुख में एक पांव पर खड़े रहते थे। बिनोद काठमांडू के एक कम्युनिटी लर्निंग सेंटर से जुड़े, जहां उन्होंने पेंटिंग सिखाने के साथ-साथ स्वास्थ्य वॉलंटियर के रूप में काम किया।

बिनोद के घर के पास ही एक तिब्बती दुकान थी, जिसमें काम करने वाली एक महिला ने उन्हें कुछ बच्चों को पढ़ाने का प्रस्ताव दिया। ये बच्चे डोल्पा से काठमांडू आए थे। बिनोद ने कुछ प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इन बच्चों को पढ़ाते हुए उन्हें असीम खुशी महसूस हुई, उनकी मासूमियत पर बिनोद इस कदर मोहित हुए कि 2005 में जब डोल्पा जाकर वहां के बच्चों को पढ़ाने का मौका मिला, तो वह सहर्ष राजी हो गए। लेकिन घरवालों को कैसे राजी करते? उन दिनों देश का गृहयुद्ध अपने चरम पर था और 22 साल का इकलौता चश्म-ओ-चराग अपनी जान की बाजी लगाकर ऐसे बच्चों तक ज्ञान की रोशनी पहुंचाने को उद्वेलित हो उठा था, जिनके साथ उसका बस हमवतन होने का नाता था। बहुत मुश्किल से बिनोद घरवालों को राजी कर पाए थे।

डोल्पा नेपाल का सबसे बड़ा जिला है। किंवदंती है कि धर्मगुरु रिनपोछे ने दुनिया के सबसे निर्मल मन वालों के आश्रय के लिए जो चंद गोपनीय घाटियां बसाईं, डोल्पा उनमें से एक है। करीब 35 हजार की आबादी वाला डोल्पा कितना दुर्गम भौगोलिक इलाका है, इसका अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिनोद को वहां पहुंचने के लिए आठ दिनों तक पैदल चलना पड़ा। यात्रा की पहली रात ही उनकी टीम को 4,000 मीटर की ऊंचाई पर खुले आकाश के नीचे कैंप लगाने को बाध्य होना पड़ा था।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग

ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

पारंपरिक लोक धुनों के बीच क्विज का आनंद ले रहे युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । जनसम्पर्क का स्टॉल छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वाद्य धुनों से गूंज रहा है। यहां पर आयोजित क्विज और पारंपरिक संगीतमय कार्यक्रम के प्रति युवाओं का क्रेज बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं और छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता 'संवाद आपका और हमारा' में युवा बढ़-चढ़कर शामिल हो रहे हैं।

स्टॉल में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक वाद्य यंत्र के धुनों को सुनने के लिए युवाओं की भीड़ उमड़ रही है। पूरा स्टॉल लोक गीतों और गढ़वा बाजा, डफ्रा, डमऊ और मोहरी की लयबद्ध सूर-ताल से गूंज रहा है।

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में आयोजित राज्योत्सव में जनसंपर्क विभाग के रोचक और ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता में लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। क्विज प्रतियोगिता में एमएससी में अध्ययनरत श्री कीर्तिकांत देशमुख बालोद निवासी ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने बताया कि अन्य स्टॉलों के मुकाबले जनसंपर्क स्टॉल में नयापन है। केबीसी की तर्ज पर चल रही छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रतियोगिता युवाओं और दर्शकों को बांधे रखा है। सवालों के सही जवाब देने पर मिले पुरस्कार से उत्साहित कीर्तिकान्त ने कहा कि वो जनसंपर्क विभाग के कार्यों से अनभिज्ञ थे आज उन्हें पता चला कि जनसंपर्क विभाग जैसा नाम वैसा काम कर रही है। क्विज प्रतियोगिता से प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ेगा।

उल्लेखनीय है कि इस विकास पर आधारित प्रदर्शनी में लोक कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को एलईडी के माध्यम से लोगों को जानकारी दी जा रही है। जिसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक सहित सभी आयु वर्ग के लोग आकर अवलोकन कर रहे हैं और इसकी सराहना कर रहे हैं। स्टॉल में आने वाले लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं और विगत चार साल के विकास कार्यों पर आधारित उपयोगी प्रकाशन सामग्री और ब्रोशर का भी वितरण किया जा रहा है।

दोनों पालियों में मरीजों को मिलनी चाहिए इलाज की पूरी सुविधाएं-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की नवपदस्थ कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर निष्ठा पांडे तिवारी भी साथ रही।

कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम ने अस्पताल में ओपीडी के साथ सभी वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने एनआरसी सेंटर, ब्लड स्टोरेज यूनिट, ऑपरेशन थिएटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी डॉक्टर्स, मेडिकल स्टॉफ के साथ समस्त अधिकारी-कर्मचारी को दोनों ही पाली में पूरे चिकित्सालयीन अवधि तक उपस्थित रह कर मरीजों को समुचित उपचार सुविधाएं मुहैय्या करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में समस्त स्वास्थ्य परीक्षण, लैब परीक्षण को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम ने पोषण पुनर्वास केंद्र का भी निरीक्षण कर वहां मीनू अनुसार गुणवत्ता युक्त भोजन देने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगढ़ में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन एसटीपी, हमर लैब एवं ब्लड स्टोरेज का कार्य को सब इंजीनियर हाउसिंग बोर्ड व ठेकेदार को अगले 6 माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों से भी बात की। नसबंदी के पूर्व परीक्षण के लिए आई महिलाओं ने मांग किया कि उन्हें रायगढ़ जाने में परेशानी होती है अतएव यही सारंगढ़ में ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध करावे। जिस पर कलेक्टर डॉ.आलम ने जल्द जरूरी व्यवस्थाएं करने की बात कही। इसके साथ ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एफ आर.निराला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगढ़ में पदस्थ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ का स्थानांतरण हो जाने की जानकारी दी, जिस पर कलेक्टर डॉ.आलम ने आगे चर्चा कर व्यवस्था करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार ने विभिन्न कार्यक्रमों व खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.आर.एल सिदार ने चिकित्सालय व्यवस्था की जानकारी दी।

खास खबर

नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना पर बनाए मॉडल की सराहना

कोरबा। ओपन थियेटर घंटाघर में राज्योत्सव के हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिक्षा विभाग ने एक से बढ़कर मॉडल प्रदर्शित किए। गवर्नमेंट मिडिल स्कूल बीरतराई के शिक्षक धिरही प्रसाद सोनी के प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना पर बनाए मॉडल को लोगों ने सराहना की। राज्योत्सव में शिक्षा विभाग के प्रदर्शनी में उन मॉडल को भी जगह मिली, जिसमें छात्रों ने नवाचार से राष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रदर्शन किया था। इसमें बीरतराई स्कूल छात्रों के ईंट ढोने का यंत्र है, जो इन्स्पायर अवार्ड के तहत आईआईटी दिल्ली में प्रदर्शित हो चुका है और सिंचाई के ड्रिप सिस्टम को बेहतर ढंग से समझाया गया। मिडिल स्कूल उमरेली के छात्रों के ट्रैफिक बस और चाइल्ड सेफ्टी बेल्ट पर बनाए मॉडल भी आकर्षण का केंद्र रहा। कस्तूरबा के शिक्षकों ने सहायक शैक्षणिक सामग्री और हस्तशिल्प सामान का प्रदर्शन किया।

भगवान कार्तिकेश्वर की प्रतिमा स्थापित, हो रही पूजा-अर्चना

कोरबा। भगवान शिव के ज्येष्ठ पुत्र एवं भगवान गणेश के बड़े भाई कार्तिकेश्वर की प्रतिमा डीडीएम रोड स्थित श्री सिद्ध वटेश्वर हनुमान शनि मंदिर में स्थापित की गई है। 3 नवंबर को विधि-विधान के साथ मूर्ति स्थापित कर प्रतिदिन सुबह.शाम पूजा-अर्चना व आरती की जा रही है। मंदिर के पुजारी पं. लक्ष्मीकांत तिवारी ने बताया कि कार्तिक माह में भगवान कार्तिकेश्वर की विशेष पूजा की जाती है। दक्षिण भारत में भगवान कार्तिकेश्वर प्रमुख आराध्य देव हैं जिनकी सवारी मोर है। कोरबा में पहली बार भगवान कार्तिकेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्थापित की गई है और कार्तिक पूर्णिमा 8 नवंबर को विशेष पूजा होगी। दूसरे दिन 9 नवंबर को मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। श्री तिवारी ने नगरजनों से भगवान कार्तिकेश्वर के दर्शन का पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

'निर्माण लागत पर घर योजना' में दिखाई दे रही लोगों की विशेष रूचि

लोगों को लुभा रहा आवास एवं पर्यावरण विभाग का स्टॉल

राज्योत्सव में पर्यावरण संरक्षण मण्डल की प्रदर्शनी में डिजिटल डिस्प्ले भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2022 के अवसर पर राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान परिसर में आवास एवं पर्यावरण विभाग अंतर्गत लगाया गया स्टॉल लोगों को खूब लुभा रहा है। इनमें छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की प्रदर्शनी अंतर्गत 'निर्माण लागत पर घर योजना' में लोगों द्वारा विशेष रूचि दिखायी जा रहा है। इसी तरह छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की प्रदर्शनी में प्रवेश द्वार पर ही सिंगल यूज प्लॉस्टिक पर प्रतिबंध का संदेश आकर्षक ढंग से दिया जा रहा है।

स्टॉल के प्रवेश द्वार पर ही बड़े आकर्षक ढंग से यह लिखा गया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर 01 जुलाई 2022 से प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी जिन वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनका भी चित्र बनाकर उल्लेख किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मण्डल की पूरी प्रदर्शनी डिजिटल है। डिजिटल में ही मण्डल के कार्यकलाप, उपलब्धियां, योजनाएं एवं विभिन्न विषयों पर चलाये जा रहे जन-जागरूकता अभियान को दर्शाया गया है। मण्डल की प्रदर्शनी में मण्डल द्वारा तैयार की जा रही अत्याधुनिक केन्द्रीय प्रयोगशाला का भी मॉडल रखा गया है एवं एक फिल्म के माध्यम से प्रयोगशाला एवं उसके उपकरणों के बारे में जानकारी दी जा रही है। मण्डल के स्टॉल में दर्शकों के साथ छात्र-छात्राओं की भी भारी भीड़ है जो सिंगल यूज प्लास्टिक पर अपनी जिज्ञासाएं मण्डल के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के समक्ष रख रहे हैं। विदित हो कि सर्वश्रेष्ठ स्टॉल की श्रेणी में आवास एवं पर्यावरण विभाग के स्टॉल को विशेष पुरस्कार दिया गया है, जो मण्डल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इसी तरह आवास एवं पर्यावरण विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की प्रदर्शनी में मंडल की योजनाओं एवं रिक्त संपत्तियों की जानकारी स्टॉल में लोगों को दी जा रही है। मंडल की चिन्हित आवासीय एवं व्यवसायिक योजनाओं में 'निर्माण लागत पर घर योजना' में लोगों की विशेष रुचि देखने को मिल रही है।

इस योजना अंतर्गत एकमुश्त भवन मूल्य की राशि जमा करने की योजना के तहत तीन माह के भीतर जमा करने पर 10 प्रतिशत की छूट तथा 6 माह में जमा करने पर 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। मंडल के स्टॉल में संपत्तियों के तत्काल ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी दी जा रही है। मंडल के स्टॉल में अब तक 400 से अधिक इच्छुक हितग्राहियों को मंडल की योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा चुकी है।

खेल प्रतिभाओं को बड़े मंचों तक सामने लाने का अवसर है छत्तीसगढिया ओलंपिक खेल-विधायक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। विकासखण्ड स्तरीय छत्तीसगढिया ओलंपिक खेल का शुभारंभ जनपद मुख्यालय पुसौर के इन्द्रप्रस्थ खेल मैदान में रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष जिला पंचायत निराकार पटेल उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के पूजन पश्चात छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत से शुरू हुआ।

उद्घाटन समारोह में शास.उच्च.माध्य.वि.पुसौर के छात्राओं ने मोहक छत्तीसगढ़ी नृत्य की प्रस्तुति दी। विधायक नायक ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को गांव से बाहर बड़े मंचों में अपने प्रतिभाओं को सामने लाने का अवसर दिया है, जिसका जनपद पुसौर के ग्रामीण खिलाड़ी लाभ उठावें और अपने साथ अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने उपस्थित स्कूली छात्राओं से बात किए तथा शास.हाई स्कूल पंचपारा, शास. हाई स्कूल बड़े हरदी एवं शास.हाई स्कूल सोंड़ेकेला के पात्र छात्राओं को शासन की बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु जारी नि:शुल्क सायकल वितरण कर लाभान्वित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश के छत्तीसगढिया मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ की मूल संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं, उनमें से एक छत्तीसगढ़ की पुरातन ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देने के लिए इस ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन रितेश थवाईत अध्यक्ष नगर पंचायत पुसौर द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह के अंत में जनपद पंचायत पुसौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी महेश पटेल ने समस्त अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यर्क्रम में विकास खंड शिक्षाधिकारी दिनेश पटेल द्वारा शिक्षा विभाग एवं शिक्षकों के साथ पूरे कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया।

छत्तीसगढिया ओलंपिक का शुभारम्भ 40 वर्ष से ऊपर पुरुषों का रस्सा-कस्सी खेल से आरम्भ किया। इसके साथ ही महिलाओं का सांखली, 100 मी.दौड़, गेड़ी दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न जोन से विजयी प्रतिभागिओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सरपंच और सचिव के बीच रस्सा कस्सी के खेल में विधायक साक्षी रहे एवं सचिवों की टीम दोनों बारी में विजेता रही। इस अवसर पर जनपद पंचायत पुसौर के अध्यक्ष सुशील भोय, उपाध्यक्ष गोपी चौधरी, वीरेंद्र भोय अध्यक्ष सरपच संघ पुसौर एवं कई पंचायतों के सरपंच एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर उपचुनाव की जनता कांग्रेस को आर्शिवाद देगी - मोहन मरकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी उपचुनावों में जाने के लिये पूरी तरह से तैयार है। पिछले 4 उपचुनावों के समान भानुप्रतापपुर का उपचुनाव भी कांग्रेस जीतेगी। कांग्रेस पार्टी अपनी सरकार के चार साल के विकास कार्यो सरकार द्वारा बनाई गयी जनकल्याण कारी योजनाओं और उनका जमीनी स्तर पर करवाये जा रहे क्रियान्वयन के आधार पर चुनाव में जायेगी। पूर्व विधायक स्व. मनोज मंडावी की भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में वर्षो से रही सक्रियता तथा उनका वहां के मतदाताओं से जीवंत संपर्क का लाभ भी कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। स्व. मनोज मंडावी क्षेत्र के विकास के पूरी तरह समर्पित थे, उनका निधन क्षेत्रवासियों के लिये अपूरणीय क्षति है। वहां के मतदाता स्व. मंडावी को श्रद्धांजलि स्वरूप कांग्रेस के प्रत्याशी को विजयी बनायेंगे ताकि क्षेत्र के विकास का जो सपना स्व. मनोज मंडावी ने देखा था उसे पूरा किया जा सके। हमारी बूथ लेवल तक चुनावी तैयारी पूरी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ के हर वर्ग के लिये सरकार ने काम किया। किसानों का कर्जामाफ हुआ, धान की भरपूर कीमत 2500 रू. मिल रहा, तेंदूपत्ता संग्राहको के मानदेय को 2500 से बढ़ाकर 4000 रू. प्रति मानक बोरा किया गया, 4.5 लाख से अधिक वन अधिकार पट्टो के पुनरीक्षण का काम कांग्रेस की सरकार ने किया। बस्तर में शिक्षा के प्रचार के साथ सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य सुविधाओ को बढ़ाने के काम कांग्रेस की सरकार ने किया। बस्तर के आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारो जिसे भाजपा की रमन सरकार ने वंचित कर दिया था। कांग्रेस की सरकार ने बहाल किया। जेल में बंद आदिवासियों की रिहाई के लिये जस्टिस पटनायक की कमेटी बनाई गयी। लोहंडीगुडा के आदिवासियो की जमीनों को वापस कर सरकार ने भरोसे की जो नीव रखी थी वह पिछले चार सालों में और मजबूत हुआ है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में बस्तर में स्थानीय स्तर पर युवाओं की बटालियन में भर्ती हो रही है।

शासकीय महाविद्यालय में हुआ एकदिवसीय स्वरोजगार शिविर का आयोजन

गरियाबंद। शासकीय वीर सुरेंद्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गरियाबंद में छत्तीसगढ़ सर्वजन विकास समिति राजनांदगांव के द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्वरोजगार स्थापित करने के संबंध में विभिन्न जानकारियां प्रदान की गई साथ ही विभिन्न उद्योग जैसे खनिज व कृषि से संबंधित कच्चे पदार्थ उत्पाद एवं उनके प्रसंस्करण तथा साथ ही इस कार्य को करने में आने वाली परेशानियों एवं उसके उपाय के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

खास खबर

फिजियोथेरेपी स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी फिजियोथेरेपी महाविद्यालय में संचालित स्नातक फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम में वर्ष 2022 में प्रवेश के लिए 9 नवम्बर तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। स्नातक फिजियोथेरपी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु नीट में सम्मिलित सभी पात्र है तथा इस पाठ्यक्रम हेतु कोई न्यूनतम अर्हताकारी अंक नहीं है।ऑन-लाईन आवेदन शुल्क अनारक्षित श्रेणी एवं अन्य वर्ग के लिए एक हज़ार रुपये, अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति श्रेणी हेतु 500 रुपए तथा अप्रवासी भारतीय हेतु 10 हजार रूपए निर्धारित है।

संचालक चिकित्सा शिक्षा ने बताया कि ऐसे आवेदक जिन्होंने पूर्व में प्रवेश वर्ष 2022 में एमबीबीएस या बीडीएस में ऑनलाईन आवेदन किया है, को पुनः ऑनलाईन आवेदन शुल्क जमा करने की जरूरत नहीं है। ऑन-लाईन आवेदन 04 नवम्बर संध्या 5 बजे से प्रारम्भ हो गया है,जो 09 नवम्बर अपरान्ह 3 बजे तक जारी रहेगा। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि होने पर अभ्यर्थियों को केवल एक बार रिसेट एप्लीकेशन करने की सुविधा उपलब्ध होगी। अभ्यर्थियों द्वारा रिसेट एप्लीकेशन का चयन करने पर पुराना ऑनलाइन एप्लीकेशन फार्म कैंसल हो जायेगा एवं आवेदक नया ऑनलाइन आवेदन भर सकेंगे। रिसेट एप्लीकेशन शुल्क एक हज़ार रुपये ऑनलाइन जमा करना होगा। प्रवेश प्रक्रिया हेतु नियम छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा फिजियोथैरेपी स्नातक प्रवेश नियम 2018 का अवलोकन किया जा सकता है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, काउंसलिंग, आवंटन इत्यादि से संबंधित जानकारी के लिए वेबसाइट www.cgdme.co.in का नियमित अवलोकन करें तथा निजी फिजियोथेरेपी महाविद्यालय में आबंटन संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा गठित समिति द्वारा किया जायेगा, अतः किसी व्यक्ति, संस्था के धोखे में नहीं फंसे।

राज्योत्सवः वन विभाग के स्टॉल में वनवासियों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं का जीवंत प्रदर्शन

स्टॉल में परम्परागत वैद्य दे रहे निःशुल्क परामर्श एवं औषधि

मानव-हाथी द्वंद के रोकथाम उपाय के बारे में दी जा रही जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में आयोजित समारोह में लगाए गए वन विभाग के स्टॉल में वनवासियों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं के जीवंत प्रदर्शन को देखकर लोगों द्वारा खूब सराहना की जा रही हैं। स्टॉल में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड की ओर से प्रतिदिन परंपरागत वैद्यों द्वारा निःशुल्क परामर्श और औषधि दिए जा रहे है।

गौरतलब है कि वन विभाग के स्टॉल में बोर्ड द्वारा औषधीय पौधों के मॉडल नर्सरी तथा औषधीय पौधों के कृषिकरण कार्य को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा स्टॉल में होम हर्बल गार्डन योजना तथा परंपरागत वैद्यों के उपचार पद्धतियों, हर्बल गार्डन, हीलर हर्बल गार्डन, स्कूल, इंस्टीट्यूशनल गार्डन, वन क्षेत्रों में औषधीय पौधों का रोपण कार्य, कृषकों के क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी, बोर्ड द्वारा किए जा रहे प्रचार-प्रसार कार्यों, महिलाओं के सशक्तिकरण कार्यों, औषधीय पौधों से संबंधित अन्य अनुवांशिक कार्य की जानकारी भी दी जा रही है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के दिशा-निर्देशन में तैयार वन विभाग के स्टॉल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। स्टॉल के अलग-अलग भाग में संयुक्त वन प्रबंधन समिति तथा महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा प्रसंस्करण के कार्यों, नरवा विकास परियोजना अंतर्गत भू-जल संरक्षण का विशाल प्रादर्श (मॉडल), छत्तीसगढ़ हर्बल संजीवनी के स्टॉल व अन्य उत्पाद के स्टॉल लगाए गए हैं।

इसी तरह वन्यप्राणी संरक्षण प्रभाग अंतर्गत मानव-हाथी द्वंद के रोकथाम उपाय आदि के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिसमें बताया गया है कि हाथी को देखते ही वन अमला को सूचना दें। हाथी आगमन की सूचना पर दल बनाकर रात्रि गश्त करें। हाथियों से अधिक दूरी बनाकर रखें। यदि हाथी आपके पीछे दौड़ते हैं तो सीधे न दौड़कर आड़े-तिरछे दौड़ें। यदि पहाड़ी क्षेत्र में हैं तो ढलान की दिशा में दौड़ें। बच्चों, महिलाओं एवं वृद्धों को हाथी के समीप न जाने दें। सोने के कमरे में अनाज भण्डारित न करें। हाथी से छेड़छाड़ एवं उन्हें जख्मी न करें। खुले खलिहान में न सोयें। अकेले-दुकेले जंगल में न जाएं।

खेत में हाथी आने पर अकेले हाथी को भगाने का प्रयास न करें। हाथी प्रभावित गांव में सुदूर क्षेत्र में अकेले बने हुए घर में न सोयें। हाथी के साथ सेल्फी लेने का प्रयास न करें। हाथी को चारों तरफ से न घेरें। रिहायशी मकान में हड़िया दारू एवं महुआ न रखें। गौरतलब है कि प्रदेश में लगभग 287 जंगली हाथी विचरण कर रहे हैं। मानव-हाथी द्वंद प्रबंधन के तहत वन विभाग द्वारा वनमंडलों में 14 गजराज वाहन उपलब्ध कराये गए है और 'सजग' एलीफेंट अलर्ट सिस्टम 139 गांवों में स्थापित किया गया है।

राज्योत्सव में नन्हें बच्चों को मिल रही विशेष पहचान

मितान योजना से 5 वर्ष तक के 75 बच्चों का हुआ आधार पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस साल छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में नन्हें बच्चों को अपनी विशेष पहचान मिल रही है। इन्हीं बच्चों में से एक रायपुर के देवपुरी निवासी नीलेश साहू और शशि साहू का 13 महीने का बेटा मेहांश भी है। नन्हें मेहांश को उसके मात-पिता राज्योत्सव दिखाने लाये थे और लौटते समय उसके जीवन भर की विशेष पहचान आधार कार्ड निशुल्क बनवाकर वापस गये। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर इस साल 01 नवंबर को राज्योत्सव से मितान योजना के तहत् 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार पंजीयन की सुविधा प्रारंभ की गई। अब 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार पंजीयन के लिये टोल फ्री नंबर 14545 में कॉल कर घर बैठे पंजीयन सुविधा का लाभ ले सकते हैं। उल्लेखनीय है की राज्य सरकार द्वारा 14 नगर निगमों में 15 सेवा शासकीय सेवाओं के लिए घर पहुंच सुविधा दी जा रही है।

राज्य शहरी विकास अभिकरण नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के स्टॉल में अधिकारियों ने बताया की विगत 4 दिनों में 75 बच्चों का आधार बनाया गया है। इसके साथ ही सभी आयु वर्ग के निवासियों के आधार में मोबाईल अद्यतन की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

मेहांश के पिता नीलेश कुमार ने में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुये कहा की राज्य सरकार द्वारा आम नगारिकों के लिए घर पहुंच जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र जैसी कई सुविधायें सरकार द्वारा दी जा रही हैं। उन्होंने इसके लिये मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुये कहा कि इस तरह की योजनायें और लायें जिससे आम नागरिकों को लाभ मिल सकें।

मितान योजना के एक मई 2022 से शुभारंभ से अब तक 23000 से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। एक नवंबर 2022 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन एवं सभी आयु वर्ग के नागरिकों के आधार में मोबाईल नंबर अद्यतन सुविधा प्रारंभ की गई है। राज्य के विभिन्न शहरी क्षेत्रों में विगत 2 दिनों में ही करीब एक हजार से अधिक लोगों ने छोटे बच्चों के आधार पंजीयन एवं आधार में मोबाईल अद्यतन के लिए मितान कॉल सेंटर के माध्यम से अपाइंटमेंट बुक कराए गए है।

छत्तीसगढ़ में गूंजेगी नारी शक्ति की हुंकारः बृजमोहन

रायपुर (ए)। कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी, बढ़ती महिला दुष्कर्म, हत्या, लूट व शराबबंदी ना होने के विरोध में 11 नवंबर को बिलासपुर में महतारी हुंकार रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसी संबंध में शनिवार को एकात्म परिसर में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की महिला मोर्चा के सभी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई। इस बैठक में क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल भी शामिल हुए। इस बैठक के दौरान दक्षिण विधानसभा के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में सभी ने रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया।इस बैठक में बृजमोहन अग्रवाल ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि बिलासपुर में होने वाली 'महतारी हुंकार रैली' को लेकर सभी को सशक्त रूप से संयुक्त बैठकें करनी है। उन्होंने कहा कि सभी लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग ले और दूसरों को भी इस रैली में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि इस प्रदेश की निकम्मी, निर्लज्ज, बहरी सरकार को सत्ता से उखाड़ के फेंका जा सके। महतारी हुंकार रैली से सत्ता में बैठे हुए गूंगे बहरे लोगों की कुर्सी हिलने वाली है। इसलिए हमें अपना पूरा जोर लगाना है।

हर पल खुश और प्रसन्न रहने की मूल विद्या है मैत्री भाव : आचार्य विशुद्ध सागर

रायपुर (ए)। सन्मति नगर फाफाडीह में शनिवार को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन का भव्य समारोह सानंद संपन्न हुआ। हजारों गुरुभक्तों ने इस शुभअवसर में मौजूद रहकर धर्मलाभ लिया। आचार्य ने अपनी मंगल देशना में कहा कि दूसरे को दुख की उत्पत्ति न हो,ऐसा परिणाम अपने चित्त में रखने का नाम मैत्री है। महाव्रतों और अणुव्रतों की साधना उसी के लिए संभव है,जिसके अंदर मैत्री भाव आ चुका है। चौबीसों घंटे खुश और प्रसन्न रहने की मूल विद्या मैत्री भाव है। जिससे आप चाहोगे, जिसको देना चाहोगे, जिससे लेना चाहोगे, विश्वास मानों मैत्री भाव समाप्त हो जाएगा। लेना-देना तो व्यापार है। मित्रों, यह मैत्री भाव नहीं है। ज्ञानियों विश्वास मानो जो अपनी चिंता नहीं करते दुनिया उनकी चिंता करती है। पुण्य नहीं हो तो शांत जीवन जीना, पुण्य अपने आप टपकेगा, मित्रों शांति का जीवन जियो।

आचार्य ने कहा कि संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य आत्म शुद्धि,आत्म संवेदन,जगत के प्राणी मात्र के प्रति मैत्री भाव है। तीसरा नेत्र खुले न खुले, मैत्री भाव की आंख खुल जाए तो तीसरा नेत्र (कैवल्यज्ञान) खुल जाएगा। मैत्री भाव बहुत विराट है, मित्रता विराट नहीं है। जिसे आप मित्र कहते हो, वह तो स्वार्थ का होता है। हम आपकी प्रशंसा करेंगे,आप मेरी प्रशंसा करते रहना, हम आपकी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे, आप मेरी इच्छाओं की पूर्ति करते रहना, यह मैत्री भाव नहीं है, यह संसार की मित्रता है।

आचार्य ने कहा की ये पिच्छिका परिवर्तन कोई रूढी नहीं है,यह तो विज्ञान है,ये भौतिक नहीं, वीतराग विज्ञान हैं। कोई जीव यह न सोचे कि अहिंसा की व्याख्या करने वाले संत पक्षी के पंखों को रखते हैं। ऐसा आपकी सोच हो सकती है लेकिन आपको देखना चाहिए कि कौन से पक्षी के पंख हैं। मित्रों ये जिस पक्षी के पंख हैं वह पक्षी मयूर है।

आचार्य ने कहा कि मित्रों आसोज-कार्तिक के माह में मयूर स्वयं अपनी चोंच से अपने पंखों को निकाल देता है, अन्य पक्षी ऐसा नहीं करते। मयूर अपनी चोंच से जब उनको खुजली होती है,वजन बढ़ जाता है तो पंख निकालते हैं।

आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 22 वे राज्योत्सव का आयोजन 1 नवंबर से रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे तीन अतिरिक्त दिवस बढ़ाते हुए 06 नवंबर तक कर दिया है। अन्तरराष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के समापन के बाद भी विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी एवं व्यावसायिक स्टॉलों में दर्शकों की भीड़ बरकरार है।

विभागीय प्रदर्शनियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारियां दी जा रही है। इसी कड़ी में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जनजातियों से संबंधित विभिन्न पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसे देखने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक स्टॉलों में लगातार पहुंच रहे हैं। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में जनजातियों से संबंधित ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी उपलब्ध है, जिसका अवलोकन-अध्ययन युवा कर रहे है। इन किताबों में जनजाति एटलस के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की आदिम कला, गोदना कला, आदिवासी व्यंजन, आदिम विद्रोह, आदिवासी संस्कृति तीज त्यौहार, विशेष पिछड़ी जनजाति से संबंधित किताबें हैं, जो यहां आने वाले पाठकों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इन किताबों को पढ़ने वालों में स्कूली विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले अमन सिंह वर्मा कु. चंचल वर्मा, इद्रदीप बंजारे, अजय वर्मा, एवं कु. रिचा वर्मा जैसे अनेक परीक्षार्थियों ने भी इस

प्रदर्शनी में इन पुस्तकों का अवलोकन किया तथा क्विज में हिस्सा लिये। कु. रिचा वर्मा बताती है कि अभी वे बी.एड. की परीक्षा उत्तीर्ण की है। आगे छत्तीसगढ़ी विषय से एम.ए. करना चाहती है। इस प्रदर्शनी से उन्हें छत्तीसगढ़ व छत्तीसगढ़ी संस्कृति को जानने का मौका मिला जिसके लिये उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त किया। इस प्रदर्शनी में लगाई गई विभिन्न विभागीय प्रदर्शनियां प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए काफी सहायक सिद्ध हो रही है। आदिम जाति प्रशिक्षण संस्थान के लाइब्रेरियन मीना कुशवाहा ने बताया कि स्टॉल में प्रदर्शित इन पुस्तकों को संस्थान की वेबसाइट पर जाकर अध्ययन किया जा सकता हैं। इन सभी पुस्तकों का मुद्रण प्रक्रियाधीन है। मुद्रण पश्चात यह सामाग्री सभी के लिए हार्ड कॉपी में उपलब्ध हो सकेगी। अभी वर्तमान में इनमें से अधिकांश किताबें वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। छ.ग. राज्य में निवासरत अबुझमाड़िया, बैगा, बिरहोर, कमार एवं पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजातियों की सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक जीवनशैली पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक तैयार की गयी है, इसमें विभागीय उपलब्धियों को भी समाहित किया गया है। इसके अलावा आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा राज्य की माझी, परधान, गडबा (गदबा) एवं पाव जनजाति की जीवनशैली पर आधारित फोटो हैण्डबुक्स एवं बैगा, गोड, अगरिया एवं कंवर एवं हल्बा जनजाति से संबंधित फोटो हैण्डबुक्स का अंग्रेजी रुपांतरण भी कराया गया है। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तैयार की गई राज्य की गदबा, मुण्डा, बैगा, कमार एवं भुजिया जनजातियों के जीवन आधारित मानव शास्त्री अध्ययन पुस्तिका के साथ ही छत्तीसगढ़ की जनजातीय एटलस का विमोचन भी विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। जनजातीय एटलस जारी करने वाला छत्तीसगढ़, ओड़िसा एवं झारखण्ड के बाद देश का तीसरा राज्य बन गया है, जो कि बहुत बड़ी उपलब्धि है।

क्विज में भाग लेने उत्साहित दिखे स्कूली विद्यार्थी और युवा

आदिम जाति प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आदिम जाति से संबंधित क्विज का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षार्थी द्वारा उत्साह पूर्वक भाग ले रहे हैं। इस क्विज में आदिवासी से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का समावेशन किया गया है, जिससे उन्हें नई-नई जानकारियां अधिक रोचक ढंग से सीखने को मिल रही है। मोहबा बाजार रायपुर स्थित शुकदया विद्या निकेतन स्कूल के छात्र-छात्राएं इस क्विज में भाग लेते हुए काफी उत्साहित थे। इनमें कक्षा दसवी की कु. काजल साहू, कु. लक्ष्मी साहू, कु. निशा यादव, कु. प्राची साहू, कु. सुमन साहू, सुधीर श्रीवास, डाकेश साहू आदि शामिल थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

आयुष शर्मा को श्रेया मिश्रा अपनी फिल्म के लिए एक आदर्श विकल्प लगी

पूर्व फेमिना मिस इंडिया यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स सुश्री श्रेया मिश्रा फिल्म एएस 04 में आयुष शर्मा के साथ मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। यह पहली बार है जब अभिनेत्री मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इससे पहले अभिनेत्री ने अपनी पिछली परियोजनाओं में कुछ छोटी भूमिकाएँ की हैं जिनमें अभय देओल अभिनीत जीरो और रोमांटिक ड्रामा फिल्म मलाल भी शामिल है।

उनकी प्रशंसा करते हुए और फिल्म में महिला प्रधान के रूप में सुश्री को चित्रित करने के कारण, आयुष ने कहा, हम एएस04 के लिए एक नए नाम की तलाश कर रहे थे, जो न केवल एक नया चेहरा है, बल्कि कोई है जो अपने व्यक्तित्व से आपका ध्यान खींच सकता है।

सुश्री अपने लुक्स के साथ-साथ अपने अभिनय कौशल और एक्शन क्षमताओं के साथ बिल पर पूरी तरह फिट बैठती हैं। हमने पहले ही कुछ हिस्सों की शूटिंग कर ली है और हम उन्हें बोर्ड में पाकर रोमांचित हैं। उनके अनुसार, वह चरित्र के लिए एकदम सही हैं क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर की तैराक, घुड़सवार हैं और मिश्रित मार्शल आर्ट में प्रशिक्षित हैं। के.के. राधामोहन, श्रीसथ्यसाई आर्ट्स के बैनर तले, एएस04 कात्यायन शिवपुरी द्वारा निर्देशित है। फिल्म 2023 में रिलीज होने वाली है।

तेलुगु स्टार सुधीर बाबू की अखिल भारतीय फिल्म का शीर्षक हारोम हारा

निर्देशक ज्ञानसागर द्वारका की आगामी फिल्म, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं, का शीर्षक हारोम हारा रखा गया है। इसके निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। यह सुधीर बाबू की 18वीं फिल्म होगी और इसका निर्माण एसएससी (श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज) के बैनर तले सुमंत जी नायडू द्वारा किया जा रहा है।

दीद्वारका को उनकी पहली फिल्म, युवा मनोरंजनकर्ता सेहरी के लिए जाना जाता है। हारोम हारा शीर्षक के साथ, निर्माताओं ने टैगलाइन, द रिवोल्ट भी जारी किया। सूत्रों का कहना है कि, जहां शीर्षक आध्यात्मिक प्रतीत होता है, वहीं टैगलाइन कहानी के बदले पहलू का खुलासा करती है।

फिल्म की कहानी 1989 में चित्तूर जिले के कुप्पम की है। इसमें सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर, जगदम्बा टॉकीज और एक रेलवे स्टेशन जैसे लोकप्रिय स्थानों को दिखाया गया है। वीडियो सुधीर बाबू को पहले कभी नहीं देखे गए सामूहिक अवतार में प्रस्तुत करता है। ऐसा लगता है कि अभिनेता ने फिल्म के लिए पूरी तरह से मेकओवर किया है।

चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर उपयुक्त है। अरविंद विश्वनाथन ने फिल्म के छायांकन को संभाला है, जबकि रमेश कुमार इसे प्रस्तुत करते हैं। हारोम हारा तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज होगी।

7 अप्रैल को रिलीज होगी रवि तेजा की 'रावनासुर'

निर्देशक सुधीर वर्मा की आगामी एक्शन थ्रिलर 'रावनासुर', जिसमें अभिनेता रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं, अगले साल 7 अप्रैल को दुनिया भर में प्रदर्शित होगी। अभिषेक नामा की अभिषेक पिक्च र्स और आरटी टीमवर्क्स द्वारा बड़े पैमाने पर बनाई गई इस फिल्म में पांच अभिनेत्रियां अनु इमैनुएल, मेघा आकाश, फारिया अब्दुल्ला, दक्षा नागरकर और पूजा पोनदा होंगी।

अभिनेता सुशांत ने भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। वर्मा फिल्म में पहले कभी नहीं देखी गई भूमिका में तेजा पेश कर रहे हैं। तेजा ने फिल्म में एक वकील की भूमिका निभाई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह एक्शन से भरपूर है। हर्षवर्धन रामेश्वर और भीम मिलकर फिल्म के लिए संगीत प्रदान करते हैं, जबकि विजय कार्तिक कन्नन छायांकन संभालते हैं और श्रीकांत संपादक हैं।

ब्रीद मेरी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा बन गया है : अमित साध

अभिनेता अमित साध, जो स्ट्रीमिंग शो ब्रीद: इनटू द शैडो के आगामी सीजन में कबीर सावंत के अपने चरित्र के लिए तैयार हैं, उनका मानना है कि शो का हाल ही में लॉन्च किया गया ट्रेलर काफी संतुलित है और हर किरदार को समान महत्व देता है। ब्रीद : इनटू द शैडो के दूसरे सीजन का ट्रेलर गुरुवार को अनावरण किया गया और दो साल से अधिक के इंतजार के बाद शो को दर्शकों के सामने वापस लाया गया।

हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्यों से भरपूर, ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे बेशर्म जे (अभिषेक बच्चन) बाकी 6 पीड़ितों को पकड़ने के अधूरे काम को पूरा करने के लिए वहीं से लौट आया है। कबीर (अमित साध) जे और उसकी हरकतों को पकड़ने के लिए हर संभव कोशिश करते नजर आएंगे।

सीजन 2 में जे के लिए अपना पीछा जारी रखने वाले अमित ने कहा, ब्रीद: इनटू द शैडोज सीजन 2 बहुत बड़ा और जटिल है। पहली ही किस्त के बाद से, ब्रीद मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा बन गया है। मुझे ट्रेलर पसंद है, मुझे लगता है कि प्रशंसकों को यह पसंद आने वाला है।

सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि यह दुनिया को हर चरित्र और उनके दांव का रोमांच और एक झलक दिखाता है। ट्रेलर की संतुलित प्रकृति की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने आगे कहा, व्यक्तिगत रूप से, मुझे यह पसंद है क्योंकि यह एक संतुलित ट्रेलर है और किसी विशेष चरित्र का पक्ष नहीं लेता है। मैं सभी के लिए लाइमलाइट पाने के लिए हूं और इसके लिए, मैं अमेजॅन की टीम को बधाई देता हूं। और मेरे निर्देशक ने हमें समान महत्व देने के लिए। मैं पिछले ब्रीद: इनटू द शैडो सीजन का हिस्सा रहा हूं और मैं दूसरे सीजन का भी हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर के दूसरे सीजन में एक बार फिर अभिषेक बच्चन और अमित साध के साथ नित्या मेनन, सैयामी खेर और इवाना कौर मुख्य भूमिका में होंगी। ट्रेलर लॉन्च पर नए सीजन के बारे में थोड़ा खुलासा करते हुए, अभिषेक बच्चन ने कहा, सीजन 1 में शुरू हुआ निर्दयतापूर्ण पीछा सीजन 2 में और भी अधिक क्रूर रास्ता अपनाता है।

यह सीजन सभी पात्रों को विकसित होते हुए और गड़बड़ में बहुत गहराई तक ले जाएगा। दर्शकों ने सीक्वल के लिए 2 साल तक इंतजार किया है और उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि हमें क्या पेश करना है। मुझे खुशी है कि सीजन 2 आखिरकार कई और रहस्यों और दिमागी खेलों का खुलासा और अनावरण करने वाला है।

विक्रम मल्होत्रा और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, आठ-एपिसोड की मूल श्रृंखला मयंक शर्मा द्वारा सह-निर्मित और निर्देशित है, जिन्होंने पिछले सीजन में भी अभिनय किया था।ब्रीद: इनटू द शैडो सीजन 2 9 नवंबर, 2022 को प्राइम वीडियो पर आएगा।

इंडो वेस्टर्न आउटफिट में रिया चक्रवर्ती का स्टनिंग अवतार देखकर फैंस हुए मदहोश

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस से फैंस पर बिजलियां गिराती रहती हैं। एक्ट्रेस की स्टनिंग तस्वीरों के लिए फैंस बेताब रहते हैं। वहीं, एक्ट्रेस का लेटेस्ट इंडो वेस्टर्न लुक देखकर फैंस मदहोश हुए हैं। उन्हें रिया का ये बोल्ड अंदाज काफी पसंद आ रहा हैं। रिया चक्रवर्ती ने दिवाली के अवसर पर अपनी स्टाइलिश तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने व्हाइट और येलो कलर की इंडो वेस्टर्न आउटफिट को पहन रखा है। जिसमें उनका लुक काफी स्टनिंग नजर आ रहा है। रिया चक्रवर्ती ने इस लुक में अपनी टोंड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने बड़े ईयरिंग्स कैरी कर रखी हैं। साथ ही बालों को खुला रखकर स्टाइलिश अंदाज दिया है। रिया चक्रवर्ती फिल्मों में भले ही कम एक्टिव दिखाई देती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस धमाल मचाए रहती हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को इस आउटफिट में देखकर फैंस उन्हें गजब की बला बता रहे हैं। एक्ट्रेस इस आउटलुक में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों को जूम करके देख रहे हैं। रिया चक्रवर्ती फिल्म एक्ट्रेस हैं लेकिन फिल्मी करियर उनका कुछ खास नहीं रहा। साथ ही दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस के बाद उन्हें फैंस की काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

रणवीर सिंह की सर्कस क्रिसमस पर अकेले होगी रिलीज

त्यौहार के मौके पर फिल्मों का क्लैश सुर्खियों में रहता है। निर्माता अपनी फिल्मों को रिलीज करने के लिए त्यौहारों की छुट्टियां भुनाना चाहते हैं। क्रिसमस के मौके पर इस साल रणवीर सिंह की सर्कस, कैटरीना कैफ की मेरी क्रिसमस और टाइगर श्रॉफ की गणपत रिलीज होने वाली थीं। अब खबर आई है कि क्लैश से बचने के लिए गणपत और मेरी क्रिसमस को टाल दिया गया है। इससे साफ है कि क्रिसमस के मौके पर सर्कस अकेले रिलीज होगी।

रिपोर्ट के अनुसार 23 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्में मेरी क्रिसमस और गणपत की रिलीज टाली जा रही है। हालांकि, इस बारे में अभी निर्माताओं ने कोई घोषणा नहीं की है। अब 23 दिसंबर को रणवीर की सर्कस बिना किसी क्लैश के रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया है। फिल्म में पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिस भी नजर आएंगी। सर्कस विलियम शेक्सपियर के नाटक द कॉमेडी ऑफ एरर्स का रूपांतरण है।

कैटरीना कैफ की मेरी क्रिसमस एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है। इसकी कहानी एक शॉर्ट फिल्म से प्रेरित है जो पुणे शहर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन कर रहे हैं। रमेश तौरानी और संजय राउतरे इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में कैटरीना के साथ साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति नजर आएंगे।

टाइगर की गणपत की रिलीज भी 23 दिसंबर से आगे कर दी गई है। यह एक ऐक्शन थ्रिलर फिल्म है जिसमें टाइगर जबरदस्त ऐक्शन करते दिखेंगे। गणपत के लिए टाइगर ने बॉक्सिंग सीखी है। फिल्म में टाइगर मुंबई के एक मुक्केबाज की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म पिता और बेटे की कहानी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। चर्चा है कि इस फिल्म में अमिताभ बच्चन का भी कैमियो है। फिल्म में जैकी श्रॉफ भी छोटी सी भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म गणपत दो भागों में बनेगी। फिल्म का नाम गणपत इसलिए रखा गया है क्योंकि बॉक्सर बने टाइगर फिल्म में गणपति के भक्त बताए गए हैं। यह फिल्म दर्शकों को 2090 की दुनिया की सैर कराएगी। इस साल रक्षाबंधन के मौके पर अक्षय कुमार और आमिर खान पर्दे पर भिड़े थे। 11 अगस्त को आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा और अक्षय की फिल्म रक्षा बंधन रिलीज हुई थीं।

हुमा कुरैशी के साथ पूजा मेरी जान में मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, जिन्होंने अपनी फिल्म सीता रामम के लिए बहुत सारी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं और सफलता हासिल की, हुमा कुरैशी के साथ अपनी अगली परियोजना पूजा मेरी जान के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि यह उनकी पिछली फिल्म के चरित्र से कैसे अलग होगी।

सीता रामम की तरह, मृणाल अपनी अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका कहना है, मैं जो किरदार निभा रही हूं वह सीता रामम में मेरी भूमिका से बिल्कुल अलग है। पूजा जिस तरह से कपड़े पहनती है वह मेरे बात करने का तरीका है, यह एक बिल्कुल नया व्यक्ति है जिसे मैंने बनाया है।

मृणाल ने अपने करियर की शुरूआत टीवी से की थी और कॉलेज के दिनों में उन्हें मुझसे कुछ कहती हैं.. ये खामोशियां में मुख्य भूमिका मिली थी। बाद में, उन्होंने सबसे लोकप्रिय शो कुमकुम भाग्य पर हस्ताक्षर किए और बॉक्स क्रिकेट लीग 1 और नच बलिए 7 में एक प्रतियोगी के रूप में भी दिखाई दीं।

एक्ट्रेस को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म लव सोनिया में एक शीर्षक भूमिका में भी देखा गया था। 2022 में, वह शाहिद कपूर के साथ जर्सी का हिस्सा बनीं और उन्होंने हनु राघवपुडी की सीता रामम में दुलकर सलमान के साथ तेलुगु फिल्म की शुरूआत की। मृणाल ने कहा कि, वह हमेशा अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करने के लिए उत्सुक रहती हैं और वह अपनी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाने का मौका पाकर खुश हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा उन भूमिकाओं के लिए भूखी रही हूं जो एक-दूसरे से अलग हैं और मैं आभारी हूं कि निर्देशकों ने मुझे उन हिस्सों को करने के लिए चुना है। इस विशेष फिल्म में, मैं वादा कर सकती हूं कि लोग मेरे अभिनय कौशल का एक नया पक्ष देखेंगे, जो भी है मेरे लिए भी उतना ही रोमांचक है। पूजा मेरी जान में हुमा कुरैशी और विजय राज भी हैं। हाल ही में, दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म के लिए शूटिंग रैप की घोषणा की।

धारावी बैंक का टीजर जारी, इस सीरीज से ओटीटी डेब्यू करेंगे सुनील शेट्टी

कई फिल्मों में अपनी छाप छोड़ चुके दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी वेब सीरीज धारावी बैंक से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू करने वाले हैं। इस सीरीज से जारी हुए उनके लुक को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। यह क्राइम ड्रामा सीरीज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होगी। अब मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया है। 50 सेकेंड का यह टीजर काफी दमदार है। इसमें सुनील एक्शन से लबरेज दिखे हैं।

अभिनेता सुनील ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर धारावी बैंक का टीजर शेयर किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, नई चीजों की खोज जारी रखनी चाहिए। इसलिए, यहां मैं ओटीटी की दुनिया में अपनी शुरुआत कर रहा हूं। दर्शकों का शुक्रिया, आप सभी ने हमेशा मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए धन्यवाद। फैंस टीजर देख कर अभिनेता पर अपना प्यार बरसा रहे हैं।

गोलियों की ताबड़तोड़ फायरिंग के साथ टीजर की शुरुआत होती है। इसके बाद थलाइवन के किरदार में सुनील की एंट्री होती है। सफेद लिबाज, लंबे बाल और दाढ़ी में सुनील का लुक आकर्षक लग रहा है। उन्हें धारावी के क्राइम के मास्टर माइंड के रूप में पेश किया गया है। अभिनेता विवेक ओबेरॉय जेसीपी जयंत गावस्कर नामक पुलिस वाले की भूमिका में दिखे हैं। उन पर अपराध को नियंत्रित करने का जिम्मा है।

जी स्टूडियोज ने इस सीरीज को प्रोड्यूस किया है, जबकि समित कक्कड़ इसके निर्देशक हैं। इसमें एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती (धारावी) की कहानी को दर्शकों के बीच लाया जाएगा। खास बात यह है कि इस सीरीज की शूटिंग भी धारावी में ही हुई है। इसे नवंबर में एमएक्स प्लेयर पर रिलीज किया जा सकता है। इसमें सोनाली कुलकर्णी, फ्रेडी दारूवाला, शांति प्रिया, सिद्धार्थ मेनन, चिन्मय मंडलेकर और समित कक्कड़ जैसे कलाकार दिखेंगे।

रणबीर कपूर की ब्रह्मास्त्र 4 नवंबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हो चुकी है। इसमें रणबीर और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में हैं। ऐश्वर्या राय की पोन्नियन सेल्वन भी 4 नवंबर से सभी सब्सक्राइबर के लिए उपलब्ध हो गई है। इससे पहले फिल्म अमेजन प्राइम पर रेंट पर उपलब्ध थी। 11 नवंबर को राजकुमार राव की मोनिका ओ माई डार्लिंग नेटफ्लिक्स पर आएगी। चिरंजीवी और सलमान खान की गॉडफादर 19 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।

सुनील शेट्टी को आखिरी बार तेलुगु फिल्म गनी में वरुण तेज और सई मांजरेकर के साथ देखा गया था। वह आने वाले दिनों में इनविजिबल वुमन में अभिनेत्री ईशा देओल के साथ नजर आएंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

संसदीय सचिव ने तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का किया शुभारंभ

मोहला। संसदीय सचिव इंद्रशाह मंडावी ने आज जिला मुख्यालय मोहला के शासकीय हाई स्कूल मैदान में तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय छत्तीसगढिया ओलम्पिक का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव मंडावी ने कहा कि शासन द्वारा छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं पारंपरिक खेल को बढ़ावा देते हुए छत्तीसगढिया ओलम्पिक आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं खेलों को संरक्षित करने एवं सहेजने के लिए शासन द्वारा यह पहल की गई है। उन्होंने सभी खिलाड़ी खेल भावना के साथ खेलने के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें। गौरतलब है कि छत्तीसगढिया ओलम्पिक में कुल 978 प्रतिभागी भाग ले रहे है। इसमें गिल्ली-डंडा, पिट्ठुल, सांखली, लंगड़ी दौड़, रस्सा-कस्सी, बांटी , बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भौंरा, 100 मीटर दौड़ एवं लम्बी कूद का आयोजन किया गया। इसके साथ ही 6 नवंबर को खो-खो और 7 नवम्बर को कबड्डी का आयोजन किया जाएगा।

बस्तर संभाग के 6 जिलों के 25 ब्लॉकों में 50 पीएम स्कूल खुलेंगे

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षक दिवस के दिन 05 सितंबर को सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने पीएम स्कूल योजना की घोषणा की थी। जिसके तहत देशभर में खुलने वाले 14597 पीएम स्कूलों में से बस्तर संभाग के 06 जिलों के 25 ब्लॉकों में 50 स्कूल खुलेंगे। इसके लिए स्कूलों का चयन करने जिला स्तर पर समिति का गठन कर लिया गया है। जिले में बनाई गई समिति यह तय करेगी कि किस स्कूल को पीएम योजना के तहत स्थापित किया जाना है।

एक स्कूल को पीएम योजना में शामिल करने के बाद 1.87 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिसमें 1.24 करोड़ रुपए केंद्र सरकार, जबकि 63 लाख रुपए राज्य सरकार का अंशदान होगा। चयन और निगरानी के लिए स्कूलों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। पीएम स्कूलों के चयन के लिए 60 मानक तय किए गए हैं। इसमें पक्की इमारत, पेयजल व्यवस्था, दिव्यांग बच्चों के लिए सुविधाएं शामिल हैं।

राष्ट्र के विकास व निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिकाः मंत्री गुरू रूद्रकुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और मुंगेली जिले के प्रभारी मंत्री गुरू रूद्रकुमार आज मुंगेली के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में नवनियुक्त प्रधानपाठकों के प्रशिक्षण-सह दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने नवनियुक्त प्रधानपाठकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों की भूमिका विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य निर्माण में होती है, साथ ही वे समाज, राज्य और राष्ट्र के विकास व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल हमेशा शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखकर लगातार कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों के लिए शिक्षक सदन निर्माण के लिए 10 लाख

रूपए देने की घोषणा की। उन्होंने शिक्षक सदन निर्माण हेतु शीघ्र ही भूमि का चयन करने की बात कही। इसके पूर्व मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने छत्तीसगढ़ महतारी और सरस्वती मां के छायाचित्र के समक्ष पूजा-अर्चना व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री थानेश्वर साहू ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती लेखनी सोनू चंद्राकर, नगरपालिका मुंगेली के अध्यक्ष श्री हेमेन्द्र गोस्वामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संजीत बनर्जी, आदर्श कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली के अध्यक्ष श्री आत्मा सिंह क्षत्रिय, जिला पंचायत सदस्य द्वय श्रीमती जागेश्वरी घनश्याम वर्मा, श्री वशी उल्लाह खान और वरिष्ठ नागरिक श्री राकेश पात्रे तथा सागर सिंह बैस विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री गुरू रूद्रकुमार को पगड़ी और फूलों का हार पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष साहू और नगरपालिका परिषद अध्यक्ष गोस्वामी ने भी संबोधित किया। उन्होंने शिक्षक सदन के लिए 05 लाख रूपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने शिक्षकों के हित के लिए किए गए कार्यों के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रधान पाठकगण उपस्थित थे।

हर घर सजी रंगोली, दृष्टिहीन बालकों के जसगीतों एवं भजनों में देर रात्रि तक झूमते रहे शहरवासी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश की धार्मिक नगरी दुर्ग के सत्तीचौरा में गंजपारा वासियों ने अपनी विगत 42 वर्षों की परम्परा अनुसार इस वर्ष भी तुलसी विवाह (देवउठनी एकादशी) के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें गंजपारा ही नही बल्कि पूरे शहर के प्रतिभागियों ने आकर्षित रंगोली बना कर अपनी प्रतिभा दिखाई एवं ग्राम सगनी की बालिका मंडल ने जसगीत की मधुर एवं सुंदर प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों को खूब झुमाया, कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण किया गया..

गंजपारा में विगत 42 वर्षों से चली आ रही परम्परा अनुसार इस वर्ष भी तुलसी विवाह के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. श्री सत्तीचौरा युवा कला मंच, एवं जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी विवाह के पावन अवसर पर पूरे गंजपारा दुर्ग में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता आ रहा है, जिसमे प्रतिवर्ष सभी गंजपारा वासी, एवं शहर के अन्य स्थानों के वासी अपने घर के आँगन में, एवं दूर्गा मंदिर सामने के रंगोली सजाते है और अपनी प्रतिभा दिखाते है, सुबह से शाम तक सभी गंजपारा वासी अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर रंगोली बनाते है. इस वर्ष रंगोली प्रतियोगिता में 135 से अधिक घरों में रंगोली सजाई गयी, जिसमे भगवान, बेटी बचाओ, पेड़ बचाओ संदेश, प्रदूषण से मुक्ति संदेश, गौ हत्या रोको, कन्या भ्रूण हत्या रोको, किसान की खेती, पशु पक्षियों की तस्वीर रंगोली, के माध्यम से दर्शाया गया।आयोजक समित्ति के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि गंजपारा दुर्ग में विगत 42 वर्षों से यह परम्परा चली आ रही है जिसका आयोजन पीढ़ी दर पीढ़ी युवा न कराते आ रहे है, पूरे गंजपारा वासियों के सहयोग से यह आयोजन होता है, सभी के घरों के सामने आंगन में सुंदर एवं आकर्षित रंगोली बनाई जाती है, कुछ कलाकारों द्वारा भी विशेष रंगोली बनाई जाती है, इस आयोजन की जानकारी पूरे शहर को होती है, हर वर्ष पूरे शहर के लोगों को रंगोली प्रतियोगिता में आमंत्रित किया जाता है, जोकि इस वर्ष आकर्षण का केंद्र रहती है, देर रात तक गंजपारा वासी एक दूसरे की रंगोली देखने जाते रहे..

इस आयोजन के साथ साथ इस वर्ष जसगीत एवं भजन का आयोजन किया गया, जिसमें दृष्टिहीन बालको को जय माँ सरस्वती जस मंडली, दुर्ग द्वारा प्रस्तुति दी गयी, दृष्टिहीन बालको की इस जस मंडली की खाश बात यह रही कि दृष्टिहीन बालक खुद जसगीत एवं भजन गाते है और सभी प्रकार के ढोल, ऑर्गन, ढोलक, खुद बजाते है, दृष्टिहीन बालको के द्वारा द्वारा गाये गए जसगीत में उपस्थित ज़न देर रात्रि तक झूमते रहे और आंनद लेते रहे.. योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में सुबह से प्रतिभागी एवं पूरा परिवार एक साथ बैठकर अपने आंगन में रंगोली बनाया, जिसे संध्या 6 बजे पूरा बनाकर तैयार किया गया, 6 बजे प्रतियोगिता के निर्णायक रविन्द्र जैन 'सुमन' एवं नवीन शर्मा संस्था के सदस्यों के साथ प्रत्येक रंगोली को बारीकी से देखते हुए अपना निर्णय संस्था को दिए, निर्णयाको के निर्णय के पश्चात जसगीत आयोजन स्थल पर पर प्रतियोगिता का पुरस्कार रात्रि 9 बजे आयोजित किया गया, जिसमें अतिथि के रूप में राजेश यादव, (सभापति, दुर्ग,) अलताफ अहमद अध्यक्ष- मदरसा बोर्ड, छ.ग. शासन एवं सुश्री पायल जैन समाज सेविका उपस्थित रहे, अतिथियों के सम्मान एवं उद्बोधन के पश्चात पुरस्कार वितरण किया गया।

श्रीजगन्नाथ मंदिर में भगवान शालीग्राम के साथ तुलसी का श्रीशुभ विवाह संपन्न हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। रियासत कालीन श्रीजगन्नाथ मंदिर में 360 आरण्यक ब्राह्मण समाज की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एकादशी के दूसरे दिन शनिवार को भगवान शालीग्राम के साथ तुलसी का श्रीशुभ विवाह वैदिक मंत्रोचार के साथ आरण्यक ब्राह्मणों के द्वारा परंपरानुसार संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर 360 आरण्यक ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने वर एवं वधू पक्ष की भूमिका का निर्वहन कर भगवान शालीग्राम के साथ तुलसी का श्रीशुभ विवाह में भगवान शालीग्राम की बारात निकालकर तुलसी के संग पाणिग्रहण संपन्न करवाया।

360 आरण्यक ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ईश्वर खंबारी ने बताया कि भगवान शालीग्राम के साथ तुलसी का श्रीशुभ विवाह का आयोजन श्रीजगन्नाथ मंदिर में विगत कई वर्षो से अनवरत जारी है। आज देर शाम गोधूली वेला में विधि-विधान पूर्वक मंदिर परिसर से भगवान शालीग्राम की बारात गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। बारात रथ परिक्रमा मार्गों से होती हुई वापस मंदिर पहुंची। इस दौरान घरातियों ने बारातियों का परंपरानुसार स्वागत किया। श्रीजगन्नाथ मंदिर परिसर में वर-वधू के विवाह मंडप सजाया गया था, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शालीग्राम के साथ तुलसी का श्रीशुभ विवाह संपन्न हुआ। विधिवत पूजा अर्चना और तुलसी विवाह संपन्न होने के बाद परंपरानुसार भगवान को सात्विक भात का भोग का अर्पण किया गया, जिसके उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं को भोग प्रसाद का वितरण किया गया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, गांव, किसान सबकी प्रगति के साथ खेलों के विकास पर भी कार्य कर रही राज्य सरकार - राजस्व मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, गांव, किसान, मजदूर सभी प्रगति के साथ-साथ खेलों के विकास पर भी लगातार कार्य कर रही हैं। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन प्रदेश में खेलों विशेषकर पारंपरिक के विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है, मुझे खुशी है कि इन खेलों के प्रति आम लोगों में अच्छा खासा आकर्षण देखने को मिल रहा है, लोग इसमें गहरी रूचि ले रहे हैं।

उक्त बातें राजस्व मंत्री अग्रवाल ने नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत स्थित विद्युतगृह हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित छत्तीसगढ़िया ओलंपिक आयोजन के दौरान कही। राज्य शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के विभिन्न स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन राजीव युवा मितान क्लब के आयोजकत्व में किया जा रहा है, लेवल-1 वार्ड स्तरीय, लेवल-2 जोन स्तरीय खेलों के पश्चात अब लेवल-3 की कलस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हो चुकी हैं। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी कलस्टर में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए लेवल-3 की कलस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ कराया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर राजकिशोर प्रसाद के द्वारा की गई, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापित श्यामसुंदर सोनी एम.आई.सी.सदस्यगण, पार्षद व एल्डरमेनगण उपस्थित थे। राजस्व मंत्री अग्रवाल ने हरी झण्डी दिखाकर 100 मीटर लंबी दौड़ व कबड्डी खेल का शुभारंभ कराया, विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएं व बधाई देते हुए कहा कि वे खिलाड़ी भावना के साथ खेल खेलते हुए अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, विजयी बने तथा आगे चलकर जिला व राज्य स्तरीय खेल में भी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कोरबा का नाम रोशन करें।

खेल सुविधाओं में राजस्व मंत्री का योगदान अविस्मरणीय - इस मौके पर महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि कोरबा में खेल सुविधाओं के विकास में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

उन्होने कहा कि कोरबा में सड़क, नाली, पानी, बिजली जैसी मौलिक सुविधाओं की दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ राजस्व मंत्री अग्रवाल ने खेल सुविधाओं की दिशा में जो सौगातें कोरबा को दी है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, स्टेडियम परिसर में फुटबाल, व्हालीबाल सहित विभिन्न खेलों से संबंधित सुविधाएं बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण, खेल मैदानों का विकास, जगह-जगह पर ओपनजिमों की स्थापना सहित खेल सुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्य राजस्व मंत्री अग्रवाल के मार्गदर्शन में ही कराए गए हैं।

विधिक सेवा व शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने ई-मेगा कैंप का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कानूनी जागरूकता के माध्यम से नागरिकों का सशक्तिकरण अभियान के अन्तर्गत 06 नवंबर को जगदलपुर स्थित कलेक्टारेट के साथ ही जनपद पंचायत बकावंड में मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। कल्याणकारी योजनाओं को संचालित किए जाने वाले विभाग प्रमुखों को आम नागरिकों एवं हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए रूपरेखा तैयार करने एवं आवश्यक तैयारी हेतु निर्देशित किया गया है।

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि इस ई-मेगा कैम्प में शासन की विधिक सहायता एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों को विशेष अभियान

चलाकर लाभान्वित किया जाएगा। इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला प्रशासन श्रम विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम, कौशल विकास आदि विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी एवं प्रक्रिया भी आम नागरिकों को बताई जाएगी ।

ई-मेगा कैम्प के सफल आयोजन के संबंध में बस्तर कलेक्टर चंदन कुमार द्वारा अपर कलेक्टर हरेश मण्डावी, को नोडल अधिकारी नामित कर उनके नेतृत्व में जिला प्रशासन के प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य शासन की कल्याणकारी योजनाओं को संचालित किए जाने वाले विभाग प्रमुखों के मध्य भी बैठक आयोजित कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट शिविर का आयोजन

सूरजपुर। नगर पालिका परिषद सूरजपुर अंतर्गत मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन सूरजपुर जिला मे किया जा रहा है जिसमे मौसमी सर्दी खासी, हाथ पैर दर्द, सिर दर्द, शुगर, बीपी, शरीर में खुजली, दाद जैसे समस्या अन्य बीमारियों का नि:शुल्क जांच कर दावा दिया जाता है, इसमें 41 प्रकार का लैब टेस्टज का भी सुविधा दिया गया है विगत दिनों वार्ड नं 2 महगावां में शिविर का आयोजन किया गया था ।जिसमे कुल 126 मरीजों का नि:शुल्क जांच किया गया साथ ही 120 मरीजों को दवा दिया गया 66 मरीजों का लैब टेस्ट किया गया है।

खास खबर

पानी न लाने पर भड़के पिता ने कर दी बेटे की हत्या, आरोपी पिता को हुआ आजीवन कारावास

धमतरी (ए)। खाना बनाने के लिए पानी न लाने पर आक्रोशित पिता ने अपने नाबालिग पुत्र के गला व नाक दबाकर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार करेलीबड़ी चौकी अंतर्गत ग्राम भेंड्री निवासी परमेश्वर साहू ने 26 अप्रैल 2020 को अपने पुत्र सागर साहू 13 वर्ष को खाना बनाने के लिए पानी मंगाया, तो बटे ने पानी लाने से मना कर दिया। इससे आक्रोशित परमेश्वर साहू ने अपने पुत्र की हत्या करने एक हाथ से गला दबा दिया और दूसरे हाथ से नाक को दबा दिया।

कुछ समय बाद घटनास्थल पर बालक की मौत हो गई। हत्या को छुपाने के लिए आरोपी ने मृतक बच्चे के नाक से आए खून को कपड़ा से पोछकर कपड़ा छिपा दिया। घटना की जानकारी ग्रामीणों को होने पर पुलिस में दी। पुलिस ने शव का पंचनामा व पोस्टमार्टम कराया, तो हत्या निकला। हत्या के जुर्म पर पुलिस ने आरोपित पिता परमेश्वर साहू को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या का जुर्म दर्ज कर जेल भेज दिया।

इस मामले को करेलीबड़ी पुलिस ने अपर सत्र न्यायाधीश सुनीता टोप्पो के न्यायालय में पेश किया। सभी पक्षों को सुनने के बाद न्यायाधीश सुनीता टोप्पो ने आरोपित परमेश्वर साहू को हत्या के जुर्म पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। दंड नहीं पटाने पर अतिरिक्त छह माह की सजा भुगतना पड़ेगा।

बंद बोरे में मिला रक्तरंजित शव हत्या की आशंका

रायगढ़ (ए)। जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र से, एक बड़ी खबर निकल कर आ रही है। यहां के चिरईपानी ग्राम के पास सुनसान क्षेत्र में, बोरे में बंद एक व्यक्ति का शव मिला है। घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। आसपास के लोगों ने शव को देखा, और पुलिस को सूचित किया। प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार मृतक का नाम, सुजीत कुमार मिश्रा है। मृतक के चेहरे पर चोट के घाव है। घटना की स्थिति को देखकर हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। पूंजीपथरा पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर पंचनामा की कार्रवाई की।

मुफ्त में सिगरेट देने से मना किया तो बदमाशों ने कर दी दुकानदार की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में मामूली बात पर दुकानदार की बेरहमी से हत्या कर दी। मुफ्त में सिगरेट देने से मना किया तो दुकानदार की गला घोंटकर हत्या करने के बाद कुएं में लाश फेंक दी। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना माना थाना क्षेत्र की है।

गला घोंटकर कुएं में फेंकी लाश

मिली जानकारी के अनुसार 3 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली चना मुर्रा दुकान चलाने वाले बीरेन्द्र बर्मन देर शाम तक घर पर नहीं लौटे। दुकानदार के गायब होने की सूचना के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। दूसरे दिन 4 नवंबर को बनरसी गांव के एक कुएं में बीरेंद्र बर्मन की लाश मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि बनरसी गांव निवासी रूपेश यादव 3 नवंबर को बिरेन्द्र बर्मन की दुकान में देखा गया था। शक के आधार पर रूपेश यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसके उसने बताया कि वह और उसका दोस्त कोमल यादव बीरेंद्र की दुकान पर मुर्रा खरीदने गए थे। इस दौरान कोमल यादव ने बीरेन्द्र बर्मन से सिगरेट मांगी। सिगरेट देने के बाद जब बीरेन्द्र बर्मन ने पैसे मांगे तो कोमल ने कह दिया कि बाद में दे देगा। बीरेन्द्र ने मुफ्त में सिगरेट देने से मना किया तो विवाद हो गया। इसके बाद दोनों ने बीरेन्द्र को बुरी तरह से पीटा और रूपेश यादव ने अपने पास रखे गमछे से उसका गला घोंट दिया। लाश को कुएं में फेंक दिया। रूपेश यादव के बयान के बाद पुलिस ने कोमल यादव को भी गिरफ्तार कर लिया।

चखना सेंटरों पर दुर्ग पुलिस का एक्शन

दर्जनों सेंटरों पर पड़ी रेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शराब दुकानों के पास चल रहे अवैध चखना सेंटरों पर दुर्ग पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्यवाही की है। दर्जनों चरणा सेंटर पर दुर्ग पुलिस ने कार्यवाही की है। दुर्ग एक्सप्रेस डॉ. अभिषेक पल्लव के निर्देश पर जिले के अलग-अलग शराब दुकानों के पास संचालित चखना सैंटरो पर कार्यवाही की गई है। इस दौरान कई शराबी चरणा सेंट्रो में मिले इस दौरान पुलिस ने चखना सेंट्रो को बंद कराया। साथ ही दोबारा अवैध रूप से चखना सेंटर खोले जाने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी है।

दुर्ग भिलाई में एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव के निर्देश पर या कार्यवाही की जा रही है। बताया जा रहा है कि शराब दुकानों के पास जितने भी आवश्यक ना सेंटर चलाए जा रहे हैं इसमें बड़े नेताओं का भी हाथ है। हालांकि सीएम मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश का हवाला देते हुए पुलिसिया कार्यवाही कर रही है। इस कार्रवाई से अवैध चखना सेंटर चलाने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

दो डीआरजी जवानों की मौत

नक्सल ऑपरेशन से लौट रहे थे ट्रक ने मारी ठोकर, मौके पर तोड़ा दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। नक्सल ऑपरेशन से लौट रहे बाइक सवार दो डीआरजी जवानों को एक तेज रफ्तार ट्रक ने ठोकर मार दिया जिससे दोनों जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना एनएच 30 पर सुकमा जिला मुख्यालय से दो किमी. दूर की है। मिली जानकारी के अनुसार जवान शनिवार दोपहर को नक्सल ऑपरेशन से अपने कैंप लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई। जवानों को ठोकर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल सुकमा सिटी कोतवाली पुलिस फरार चालक को तलाश कर रही है।

साथी जवानों ने पहुंचाया अस्पतालमिली जानकारी के अनुसार डीआरजी के जवान एलमामुंडा इलाके में नक्सल ऑपरेशन पर गए थे। नेशनल हाइवे पर कोंटा डेंग पर एक ट्रक ने बाइक सवार जवानों को ठोकर मार दिया। जिससे जवान पदाम मुया और मौसम सुब्बा की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद साथी जवानों ने दोनों मृत जवानों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों जवान सुकमा के ही रहने वाले थे।

कोरबा में पांच साल के बच्चे की संदिग्ध मौत

आंगनबाड़ी केन्द्र में हुआ था बेहोश परिजनों ने की जांच की मांग

कोरबा। यहां के एक आंगनबाड़ी केन्द्र में पांच साल के बच्चे की संदिग्ध मौत हो गई। पांच साल का बच्चा अपने दोस्तों के साथ शनिवार दोपहर को आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचा था जहां वह बेहोश हो गया। सूचना मिलने पर बच्चे के माता पिता मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद बच्चे के परिजन यह सोचकर परेशान हैं कि स्वस्थ्य बच्चे की अचाकन कैसे मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शव का पीएम कराया है। मामला कोरबा के करतला पुलिस थाने का है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा के सलियाभाटा आंगनबाड़ी केंद्र में शनिवार को 5 साल के बच्चे भावेश दिवाकर की संदिग्ध मौत हो गई। सलियाभाटा निवासी जितेंद्र दिवाकर का बेटा भावेश शनिवार दोपहर को आंगनबाड़ी केंद्र गया था। आंगनबाड़ी केन्द्र से जितेन्द्र दिवाकर को सूचना मिली कि उसका बेटा अचानक बेहोश हो गया। बेटे के बेहोश होने की खबर सुनकर वे तुरंत आंगनबाड़ी पहुंचे। यहां से बच्चे को जिला अस्पताल ले गए, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

पहेली बनी बच्चे की मौतपूरी तरह से स्वस्थ्य बच्चे की मौत पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बच्चे के पिता का कहना है कि उसका बेटा पूरी तरह से स्वस्थ्य था तो कैसे अचानक उसकी मौत हो गई। इधर आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका का भी कहना है कि आंगनबाड़ी में अचानक बच्चा बेहोश हो गया था। इस पूरे मामले में बच्चे के पिता ने जांच की मांग की है। इधर पुलिस ने पीएम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं पुलिस का कहना है कि बच्चे की मौत की असली वजह सामने नहीं आई है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। बहरहाल बच्चे की मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

गाड़ी की सर्विसिंग नहीं मिली तो युवक ने खुद की स्कूटी को लगा दी आग, सड़क पर मची अफरा-तफरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। गाड़ी की सर्विसिंग नहीं मिलने से नाराज युवक ने शोरूम के सामने ही अपनी गाड़ी को फूंक दिया। युवक इससे इतना नाराज हुआ कि उसने गाड़ी को वहीं आग लगा दी। घटना बिलासपुर जिले के तिफरा ओवरब्रिज के पास मौजूद शोरूम के पास की है। स्कूटी में आग लगने से वहां धुआं-धुआं हो गया। कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि इस घटना से कोई आहत नहीं हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार तिफरा ओवरब्रिज के पास स्थित होंडा शोरूम में एक युवक अपनी एक्टिवा सर्विसिंग के लिए लेकर पहुंचा। इस दौरान शोरूम के सर्विस कर्मियों ने डेट फुल होने की बात कहकर सर्विसिंग के लिए दूसरे दिन आने कहा। इस बात को लेकर युवक की शोरूम कर्मचारियों से बहस हो गई। बहस के बाद युवक को इतना गुस्सा आया कि उसने शोरूम के सामने ही अपनी गाड़ी को आग लगा दिया। आग से स्कूटी जलने लगी। शोरूम के कर्मचारियों ने स्कूटी पर पानी डालकर किसी तरह आग बुझाया लेकिन तब तक स्कूटी जलकर राख हो चुकी थी। इस दौरान कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात बाधित रहा। हालांकि इससे केवल गाड़ी को नुकसान पहुंचा।

नक्सलियों का उत्पातः महिला सरपंच के पति की गला रेतकर हत्या

दंतेवाड़ा। जिले में बीती रात नक्सलियों ने महिला सरपंच के पति को अगुवा कर हत्या कर दी। शनिवार सुबह नक्सलियों ने शव को गांव में फेंककर भाग गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना के पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि हत्या की इस घटना को नक्सलियों की मलांगेर एरिया कमेटी ने अंजाम दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि नक्सलियों ने सरपंच पति की हत्या क्यों की।

मिली जानकारी के अनुसार दंतेवाड़ा के अरनपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात रेवाली गांव की सरपंच के पति भीमा बारसे को हथियार बंद नक्सलियों ने अगुवा कर लिया। इसके बाद शनिवार की सुबह गांव में भीमा बारसे की लाश मिली। गांव वालों ने देखा तो इसकी सूचना दी। मौके से ही गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। घटना की पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने की है।

उन्होंने बताया कि पांच से 6 हथियारबंद नक्सली महिला सरपंच के घर पहुंचे और उसके पति को उठा ले गए। फ्लि इस हत्याकांड की वजह सामने नहीं आई है। संभावना है कि नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में ही भीमा बारसे की हत्या की है। यह पूरा कांड मलंगेर एरिया कमेटी के सदस्यों ने किया है। फिलहाल मौके पर जवानों को सर्चिंग के लिए रवाना किया गया है।

राजधानी में नाबालिग ने रची खुद पर चाकू से हमले की कहानी, हमलावर की खोज में खाक छानती रही पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में एक नाबालिग ने अपने ऊपर ही हमले की झूठी कहानी बना दी। सिविल लाइन थाने में जब यह खबर पहुंची तो पुलिस हरकत में आ गई। इधर पुलिस हमलावर की खोज में लगी रही लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दो दिन बाद नाबालिग ने खुद ही पुलिस को बताया कि उसने झूठ बोला था। दरअसल स्कूल में कुछ लोगों से विवाद का वह बदला लेना चाह रहा था। नाबालिग ने अपने ऊपर हमले की कहानी दो दिन पहले बनाई थी।

मिली जानकारी के अनुसार कक्षा 10वीं के छात्र ने सिविल लाइन थाने में जानकारी दी कि कुछ बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला किया है। छात्र ने चोट व कपड़ों पर खून के निशान भी दिखाए। इसके बाद पुलिस हरकत में आ गई। छात्र के बताए अनुसार पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई। पुलिस के पास जब बच्चे की चोट की जांच की मेडिकल रिपोर्ट आई तो वह हैरान रह गई। जो चोट के निशान बच्चे ने दिखाए दरअसल वे चाकू के नहीं बल्की खुद के नाखूनों से खरोंच के थे।

इसके बाद पुलिस ने बच्चे को उनके पैरेंट्स के साथ थाने बुलाया और कड़ाई से पूछताछ की। इसके बाद बच्चे ने पूरी सच्चाई उगल दी। इसके बाद बच्चे ने जो बताया उसने पुलिस को भी सोचने पर मजबूर कर दिया। बच्चे ने बताया कि स्कूल में दूसरे छात्र से इसका झगड़ा हुआ था। छात्र का फोन गुम हो गया था और इसके लिए वह दूसरे छात्र को कारण मान रहा था। इसलिए वह अपने दोस्त को फंसाना चाहता था और इसके लिए यह सारी कहानी रची। पुलिस ने नाबालिग को समझाइश देकर छोड़ दिया।

एसएसपी के निर्देश पर कार्रवाई, 13 जुआरी गिरफ्तार

1 लाख 22 हजार कैश समेत 21 लाख का माल बरामद

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव जिले के ग्राम बरनाराकला में पुलिस ने शनिवार देर शाम 13 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने नगद और सामान मिलाकर कुल 21 लाख 37 हजार 060 रुपए जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। मामला बोरतलाव थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि राउरकसा डैम के पास शनिवार देर शाम को कुछ लोगों के जुआ खेलने की खबर मिली थी। जब टीम वहां पहुंची, तो देखा कि जुआरी बाइक और कार की हेडलाइट की रोशनी में जुआ खेल रहे थे। पुलिस टीम ने चारों ओर से घेराबंदी कर 13 जुआरियों को पकड़ा। उनके पास से 1 लाख 22 हजार 060 रुपए, 3 कार, 2 बाइक, ताश और 12 मोबाइल समेत कुल 21 लाख 37 हजार का माल जब्त किया गया।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस ने कोल डस्ट इंजेक्शन में रचा कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की ब्लास्ट फर्नेसों ने 04 नवम्बर 2022 को 2381 टन कोल डस्ट इंजेक्शन कर नया दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया है जो कि 31 अक्टूबर 2022 को बनाये गये 2350 टन कोल डस्ट इंजेक्शन के पिछली रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर बनाया गया। रिकॉर्ड के इस क्रम में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-08 (महामाया) ने 04 नवम्बर 2022 को 1430 टन कोल डस्ट इंजेक्शन कर नया दैनिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपने 12 जनवरी 2021 को बनाये गये 1400 टन कोल डस्ट इंजेक्शन के पिछले रिकॉर्ड को पार किया। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता और कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने इस उपलब्धि हेतु ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी तथा सहयोगी विभागों को बधाई दी।

संभागीय संत सम्मेलन एवं सात्विक यज्ञ व चौका आरती 7 को

दुर्ग। समभाव सदगुरू कबीर कुटि समिति के तत्वाधान में पहली बार सिविल लाईन शीतला तालाब, समृद्धि बाजार के बाजू स्थित समभाव सदगुरु कबीर कुटि के सामने राम हनुमान मंदिर एवं यमराज चित्रकुट मंदिर के मध्य प्रांगण, संभागीय संत सम्मेलन एवं सात्विक यज्ञ चौका आरती गुरु वंदना सत संग प्रवचन का कार्यक्रम कार्तिक पूर्णिमा पर 7 नवम्बर को आयोजित है। उक्त संतसंग सम्मेलन के मुख्य अतिथि विधायक अरुण वोरा, विशिष्ट अतिथि महापौर धीरज बाकलीवाल एवं पूर्व विधायक डॉ. बालमुकुंद देवांगन होगें। उल्लेखनीय है, इस संभागीय आयोजन में ख्यातिबद्ध महंतो की जमात, अन्य संतो के साथ अपनी साजोसज्जा के साथ कबीर धाम नवागांव से महंत विनोद दास साहेब परपोड़ी से विनोददास साहेब पुरदा से बजरंग दास साहेब एवं प्रसिद्ध योग निर्देशक महंत मंगलम दास साहेब, सिरकत करेगें। इस एक दिवसीय आयोजन में आम भंडारा एवं महाप्रसादी का भी व्यवस्था की गई हैं। समिति के अध्यक्ष अजय वर्मा ने आम लोगों से उपस्थित होकर पूण्य लाभ लेने की अपील की है।

दो दिवसीय दुर्ग सेक्टर अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न

दुर्ग। दो दिवसीय दुर्ग सेक्टर अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। सेठ रतन चंद सुराना कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय दुर्ग के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिला के 30 महाविद्यालय के लगभग 200 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उदघाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशांक रस्तोगी (रोटरी क्लब डिस्ट्रिक गवर्नर) विशेष अतिथि श्रीमती भावना गोलछा अध्यक्ष पिनाकल विनाकल रोटरी क्लब, प्रवीण तिवारी अध्यक्ष जिला शिक्षण समिति, मयंक अध्यक्ष रोटरी क्लब, दिलीप इंग्ले सचिव जिला शिक्षण समिति दुर्ग, मलय जैन, मनोज शर्मा, शिवराज राउत (सदस्य जिला शिक्षण समिति दुर्ग) डॉ प्रमोद तिवारी (प्राचार्य सेठ रतन चंद सुराना महाविद्यालय) दिनेश नामदेव (खेल संचालन हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग) लक्ष्मेण कुलदीप (क्रीड़ा अधिकारी) शा. विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग, डॉ अजय लांजेवार (शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय सेठ रतन चंद सुराना महाविद्यालय दुर्ग) निलेश तिवारी सेठ रतन चंद सुराना महाविद्यालय दुर्ग एवं विभिन्न महाविद्यालय से आए क्रीड़ा अधिकारी खेल प्रभारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया ।

भिलाई के कांग्रेस नेताओं ने निकाली भारत जोड़ो यात्रा

कला मंदिर से लेकर हुडको तक किया पैदल मार्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। वे कन्याकुमारी से कश्मीर तक देश की पदयात्रा कर रहे हैं। इसी कड़ी में भिलाई के कांग्रेस नेताओं ने भी रविवार को सांकेतिक भारत जोड़ो यात्रा निकाली। नगर निगम के एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, महापौर नीरज पाल, भिलाई शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर इस भारत जोड़ों यात्रा में शामिल हुए।

भिलाई के कांग्रेस नेताओं की भारत जोड़ो यात्रा कला मंदिर सिविक सेंटर से शुरू हुई। यहां से पैदल मार्च करते हुए वे सेंट्रल एवेन्यू व अलग अलग सेक्टरों का भ्रमण कर हुडको काली बाड़ी पहुंचे।

हुडको कालीबाड़ी में इनकी यात्रा का समापन हुआ। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी देश के भ्रमण पर निकले हैं और हमने भी उनकी तर्ज पर भिलाई में यात्रा निकाली है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से हर कोई जुड़ रहा है और परिवर्तन साफदिख रहा है। आने वाले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का जाना तय है। राहुल गांधी के साथ देश का युवा, बजुर्ग, महिलाएं और बच्चों का हुजूम चल रहा है। भारत जोड़ो यात्रा दिखा रहा है कि देश की जनता अब परिवर्तन के मूड में आ गई है।

आयुक्त व महापौर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

निर्माण एवं विकास कार्य सहित मूलभूत सुविधाओं पर फोकस करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने सभागार में विभागीय कार्य तथा शासन की प्रमुख योजनाओं पर किए जा रहे काम की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान योजनाओं तथा विभागीय कार्यों की प्रोग्रेस की जानकारी ली गई। बैठक में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, राजीव युवा मितान क्लब, मितान योजना, गोधन न्याय योजना, रोका छेका अभियान, कृष्ण कुंज योजना, राजस्व वसूली, अवैध अतिक्रमण एवं अवैध प्लाटिंग, वार्ड क्षेत्रों तथा गली मोहल्लों में सफाई की व्यवस्था, सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई, पाइप लाइन वितरण का कार्य तथा पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, अधोसंरचना मद, राज्य प्रवर्तित, केंद्र प्रवर्तित, 14 वें वित्त एवं 15 वें वित्त आयोग के कार्य, अप्रारंभ, प्रारंभ एवं प्रगतिरत कार्यों की स्थिति, माननीय मुख्यमंत्री, मंत्री एवं विधायक निधि, महापौर निधि, पार्षद निधि, एल्डरमैन निधि के कार्यों की स्थिति, सड़कों के मरम्मत एवं संधारण की स्थिति, वेंडिंग जोन की स्थापना के संबंध में, डिवाइडर एवं चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण, आत्मानंद स्कूल, आदि पर विस्तृत चर्चा करते हुए बैठक में समय सीमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, उप अभियंता एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

सड़क पर गंदा पानी फेंकना होटल संचालक को पड़ा भारी, निगम ने लगाया 10 हजार जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पुलगांव मिनी माता चौक के करीब टपरी होटल के संचालक अवधेश मिश्रा द्वारा सड़क में गंदगी फैलाने पर 10 हजार का जुर्माना किया है। भविष्य में होटल के मालिक को इस तरह की हरकत न करने समझाईश दी गयी है। शहर में गंदगी फैलाने वालों की अब खैर नहीं। आयुक्त लोकेश चंद्रकार के सख्त निर्देश पर नगर निगम ने मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत स्वच्छ शहर के लिए कमर कस ली है। निगम टीम ने मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत कार्रवाही का दूसरा दिन। चौक चौराहों पर कार्रवाही के दौरान शनिवार को सड़क के बीच गंदा पानी छोड़ दिया। इस दौरान अतिक्रमण अधिकारी शिव शर्मा, राजस्व निरीक्षक दुर्गेश गुप्ता ने हॉटल मालिक को 10 हजार रुपये जुर्माना ठोका है। वहीं भविष्य में इस तरह की हरकत न करने समझाईश दी गयी है। निगम टीम ने महाराजा चौक में दुकान के बाहर सड़क पर लगाए साइन बोर्ड को निकलवाया, इसके अलावा मुख्य सड़क जीई रोड के दोनों तरफ दुकानो के बाहर रखे बोर्ड इत्यादि को हटवाया गया, साथ ही गंजपारा पहुंचकर दुकान के बाहर सड़क पर रखे सामानो को उठवाया। कार्रवाही के दौरान उप राजस्व निरीक्षक चंदन मनहरे, उप राजस्व निरीक्षण निशान्त यादव, शशिकान्त यादव, सफाई दरोगा सुरेश भारती साहित टीम अमला मौजूद रहें।

कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और ठेकेदारों की उपस्थिति में किया सड़क का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा की सक्रिय नजर जिले के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं पर है। इसी कड़ी में वो आज पीडब्ल्यूडी विभाग के अभियंताओं के साथ सड़कों की स्थिति का जायजा लेने के लिए दौरे पर निकले थे।उन्होंने दौरे के चिन्हित स्थलों पर निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदारों को भी उपस्थित होने के लिए कहा था। उन्होंने जेल तिराहे से पुलगांव चौक

और फिर वहां से लोक निर्माण विभाग संभाग दुर्ग की अंतिम सीमा अंडा तक सड़क की स्थिति का जायजा लिया।

सड़क निर्माण कार्य की गति पर उन्होंने पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और ठेकेदार को कार्य को गतिशील करने के लिए और शीघ्र मूर्त रूप देने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए। सड़क के चौड़ीकरण के कार्य पर उन्होंने ठेकेदार से डेडलाइन की डेट मांगी और नियमित रूप से उपस्थित अधिकारियों को वर्क के प्रोग्रेस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। उन्होंने उपस्थित इंजीनियर और ठेकेदार को स्पष्ट किया कि कभी भी उनके द्वारा औचक निरीक्षण किया जा सकता है इसलिए कार्य की प्रगति बाधित नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने आज अपने दौरे में पुलगांव के बाईपास वाली पुलिया का निरीक्षण भी किया, जहां उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से यहां से गुजरने वाले ट्रैफिक और पुलिया के भार वाहन क्षमता के संबंध में जानकारी ली।

भिलाई निगम ने प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर कई दुकानों पर की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार बाजार क्षेत्रों एवं दुकानों में निरीक्षण कर प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर जब्ती के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई कर रही है इसी तारतम्य में निगम ने कई दुकानों में कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूल किया। भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक से बने उत्पादों को पूर्णरूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के नेतृत्व में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्यवाही अभियान लगातार जारी है। प्रत्येक जोन में अलग-अलग जगहों पर दुकानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में छापेमार कार्रवाई की जा रही

है। जहां भी सिंगल यूज प्लास्टिक व प्रतिबंधित प्लास्टिक का विक्रय करते हुए पाया जा रहा है वहां इसे जब्ती करते हुए जुर्माना भी वसूला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने भी प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील शहरवासियों से की है। शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें। किसी भी प्रकार की सामग्री लेने के लिए कपड़े से बने थैले इत्यादि का उपयोग करें। प्लास्टिक से पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचता है जिसको देखते हुए इस पर भिलाई निगम क्षेत्र में कड़ाई करना प्रारंभ कर दिया गया है। रात्रि के समय भी ठेला लगाकर व्यवसाय करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग व विक्रय करने वालो पर लगाम लगाया जा रहा है। अवैध होर्डिंग एवं पोस्टर लगाने वाले 47 लोगों पर भी लगा 38200 रुपए जुर्माना आज निगम भिलाई के सभी क्षेत्रों से अवैध होर्डिंग एवं पोस्टर को हटाने का काम किया गया। इस दौरान अवैध होर्डिंग एवं पोस्टर लगाने वालों की पहचान भी की गई और 45 लोगों से और 30200 जुर्माना वसूल करते हुए होर्डिंग एवं पोस्टर की जब्ती भी बनाई गई। अवैध होर्डिंग और पोस्टर को हटाने भिलाई निगम युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। विभिन्न संसाधनों के माध्यम से सभी जोन क्षेत्रों में कार्यवाही की जा रही है।

डेंगू रोकथाम के लिए टाउनशिप में वृहद फोगिंग कार्य प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के पी एच डी विभाग द्वारा अपने टाउनशिप में मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू से बचाव हेतु जिला मलेरिया से प्राप्त 96 कार्यकर्ताओं के दल द्वारा डोर टू डोर डेंगू लार्वा जांच व विनिष्टिकरण कार्य किया जा रहा है तथा टेमीफास का घोल वितरित किया जा रहा है साथ ही सघन रूप से मच्छर उन्मूलक मेलेथियान घोल का स्प्रे भी किया जा रहा है यह सभी कार्य माह जून 22 से निरंतर किया जा रहा है।

इन कार्यों के साथ-साथ दिनांक 01.11.22 से वृहद रूप से फोगिंग का कार्य भी आरंभ किया गया है जो कि रोजाना शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक आगामी 20 दिनों तक अर्थात 22 नवम्बर तक चलेगा।

सेक्टर 02, 05, 10, रुआबंधा, में सघन फोगिंग के बाद दिनांक 05 व 07 नवम्बर 22 को मरोदा सेक्टर, दिनांक 08 नवम्बर को रिसाली पूर्व, दिनांक 09 नवम्बर को रिसाली पश्चिम, दिनांक 10 नवम्बर को सेक्टर 09 व हॉस्पिटल सेक्टर, दिनांक 11 नवम्बर को सेक्टर 8 व डायरेक्टर बंगला, दिनांक 21 नवम्बर को 32 बंगला, हॉस्पिटल सेक्टर व अन्य छूटे हुए एरिया, दिनांक 22 नवम्बर सेंट्रल एवेन्यू, फारेस्ट एवेन्यू, सिक्स ट्री एवेन्यू में किया जाएगा।

भिलाई भाजपा की बैठक, चुनाव की बनी रणनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता पाटी केम्प मंडल की परिचयात्मक बैठक सतनाम भवन बैकुंठ धाम केम्प 2 में सम्पन्न हुई मुख्य अतिथि विद्यारतन भसीन विधायक वैशाली नगर विधानसभा नवनियुक्त भाजपा भिलाई जिला अध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया पुर्व जिला अध्यक्ष विरेन्द्र साहु जिला महामंत्री शंकर लाल देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित रहे सर्व प्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर परिचयात्मक बैठक की शुरुआत किया गया केम्प मंडल अध्यक्ष अनिल सोनी ने पारी पारी से अपने मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ का परिचय कराया विद्यारतन भसीन विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि हाल ही में हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं।

वहां के चुनाव होने के बाद से सभी कार्यकर्ताओं को अब बैठना नहीं है हमारे छत्तीसगढ राज्य के चुनाव 2023 में होने वाले हैं विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहना होगा अपने अपने बुथ में जाकर काम करना है कार्यकर्ता ज़मीं पर जा कर कार्य करेगा तभी 2024 कमल खिलेगा और विकास कार्य होगा डबल इंजन की सरकार बनने तेजी से विकास का चरखा चलेगा सभी कार्यकर्ता अपने अपने काम में लग जाएं। बृजेश बिचपुरिया ने कहा अब वक्त आ गया इस कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने का इस के लिए एक एक कार्यकर्ता को अपने बुथो में जाकर रोज़ 25 घरों में जा कर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सरकार कि नाकामी को बताना होगा इन चार साल में छत्तीसगढ़ राज्य का क्या हाल है आप सभी भलीभांति परिचित हैं कोरोना काल में दवाईयां नहीं मिलती थी लेकिन शराब आसानी से मिल जाती थी ये झुठी सरकार है झुठे वादे करके सत्ता पाईं है चाहे शराब बंदी हो नौजवानों का बेरोजगारी भत्ता हो चुनाव में जितनी भी घोषणा पत्र में लिखा था वो आज तक पुरा नही किया चार साल ऐसे ही निकल दिया छत्तीसगढ़ का विकास तो नहीं केवल सर्वनाश हुआ है आयो दिन रोज़ अखबार का पन्ना खोलो लुट हत्या चोरी सट्टेबाजी आम बात हो गई है कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को कांग्रेस ने एक काम दे रखा है कबाड़ी और चखने का सेंटर जहां देखो वहां चारों तरफअराजकता का माहौल है कोई भी अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस कर रहा है कब किस के साथ क्या घटना घटित हो जाएं कोई नहीं बता सकता मुख्यमंत्री भुपेश बघेल के पाटन विधानसभा के ग्राम अमलेश्वर में सोना चांदी के व्यापारी की दिन दहाड़े हत्या कर दी जाती पुलिस थाने से मात्र 300 मीटर की दूरी पर और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती है छत्तीसगढ़ के हालात बद से बद्तर हो गए हैं मंडल महामंत्री विकास भगत ने आभार प्रकट किया किया इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य वरिष्ठ नेता डी भारती जी भाजपा जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह जिला मंत्री राम उपकार तिवारी कार्यल्य मंत्री मनोज तिवारी अब्दुल नासिर भाई वार्ड पार्षद लक्ष्मी दीवकर संजय सिंह लक्ष्मी साहु विनोद चेलक सत्या देवी जयसवाल छाया पार्षद चंदन यादव छोटे लाल चौधरी मुर्गेश सोनी सोहन देवांगन मंडल उपाध्यक्ष बैधनाथ झा ,लतेल यादव , राजकुमार जयसवाल अशोक साव अम्बिका द्विवेदी अभिषेक मिश्रा बी पी सिंह, अमित मिश्रा विजय सिंह गणेश सोनी शमिम खान रोहित यादव शांता बाई जंघेल संतोष मोर्या धर्मेन्द्र दीवाकर संजय भारती संजय नायक रामकृष्ण सोनी संजय जयसवाल अतुल चक्रवर्ती चिन्ना राव विजय जयसवाल संजय भारती गणेश सोनी अशोक गुप्ता मुन्ना आर्या मनमद राव अवतार सिंह गील उमेश्वर पांडेय ओमकार सिंह सतपाल पासवान राजेश चौहान प्रदीप गुप्ता संजय शुक्ला भाजपा केम्प मंडल के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीएसपी के निदेशक प्रभारी ने भूमि अभिलेख सूचना तथा प्रबंधन प्रणाली का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने संयंत्र के भूमि अभिलेख सूचना तथा प्रबंधन प्रणाली (एलआरआईएमएस) का दिनांक 27 अक्टूबर 2022 को औपचारिक उद्घाटन कर प्रणाली का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन) एम एम गद्रे व मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) एस वी नंदनवार तथा नगर सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण विषेष रूप से उपस्थित थे। इस प्रणाली से माउस के सिंगल क्लिक पर बीएसपी की भूमि और मानचित्रों की तत्काल जानकारी हो सकेगी तथा नगर सेवा विभाग के विभिन्न कार्यों में सुविधा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। विदित हो कि भिलाई इस्पात संयंत्र जिसे स्थापना काल में भिलाई स्टील प्रोजेक्ट के रूप में जाना जाता था इसके द्वारा स्थापना के समय, 1950 के दशक में भिलाई और उसके आसपास स्टील प्लांट और टाउनशिप की स्थापना के लिए काफी जमीन का अधिग्रहण किया गया था। चूंकि ऐसी भूमि को भिलाई स्टील प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहित की गयी थी अत: इस भूमि को राष्ट्रपति के दो अनुबंधों के माध्यम से भिलाई इस्पात संयंत्र को सौंप दिया गया।

सेल भिलाई इस्पात संयंत्र, एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते, इस फ्रीहोल्ड भूमि का पूर्ण स्वामित्व प्राप्त हो गया। इस प्रकार कुछ समय से जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) प्रौद्योगिकी (जो सटीक अक्षांश-देशांतर निर्देशांक के माध्यम से किसी भी स्थान की पहचान करने के लिए नवीनतम उपकरण है।) के अनुप्रयोग के माध्यम से सभी अधिग्रहित भूमि को मानचित्रों और अधिग्रहण रिकॉर्डों के साथ समेकित करने का प्रयास किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हाल ही में देश भर में विभिन्न स्थानों पर सेल के स्वामित्व वाली भूमि के भूमि रिकॉर्ड को डिजिटाइज करने के लिए सेल कॉर्पोरेट स्तर पर भी पहल की गई है। इस दिशा में, बीएसपी के नगर सेवा विभाग ने 2019-20 में एक निविदा जारी की और कोलकाता स्थित एक जीआईएस एजेंसी को भिलाई टाउनशिप और परिधीय भूमि से संबंधित भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण का काम सौंपा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950